

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 वर्ष-9, अंक-259 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com



www.facebook.com/krantisamay1



www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

समाचार

नशे के खिलाफ मानसकार को घेरने का बन गया प्लान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले नशे के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरने की तैयारी तेज हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को पंजाब के दौरे पर आएंगे। पिछले 21 दिनों में यह उनका दूसरी बार राज्य का दौरा होगा। इस दौरान शाह मानसा, संगरूर और गुरदासपुर जाएंगे और नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने वाले



परविंदर सिंह झोटा, गुलजार सिंह और बिक्रमजीत सिंह के परिवारों से मुलाकात करेंगे। शाह ने आरोप लगाया है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के संरक्षण में नशा तस्करी के खिलाफ आवाज उठाने वालों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पंजाब दौरे की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वह उन परिवारों से मुलाकात करेंगे, जिन्होंने पंजाब में नशीले पदार्थों के बढ़ते कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया। शाह के मुताबिक, वह 20 अक्टूबर को मानसा, संगरूर और गुरदासपुर का दौरा करेंगे। इस दौरान वह परविंदर सिंह झोटा, गुलजार सिंह और बिक्रमजीत सिंह के परिवारों से मिलेंगे। इन लोगों ने पंजाब में सिथेटिक ड्रग्स की आसानी से उपलब्धता और नशे के कारोबार के खिलाफ आवाज उठाई थी। आवाजों को दबाने की कोशिशें कभी सफल नहीं होतीं।

एमपी में चंबल नदी पर अब बनेगा हैंगिंग ब्रिज

ग्वालियर (एजेंसी)। मुरेना और धौलपुर जिलों में किसानों का विशेष शत होने के बाद अब 4,613 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहे 88.4 किलोमीटर लंबे ग्वालियर-आगरा सिक्सलेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट के सबसे बड़े आकर्षण चंबल नदी पर बनने वाले हैंगिंग ब्रिज का काम भी अब मुरेना के बसैया गांव के पास जोर-शोर से शुरू करा दिया गया है। शुरुआती योजना में इस हैंगिंग ब्रिज की लंबाई 600 मीटर तय की गई थी, लेकिन नदी के किनारे पिलर के लिए की



गई पाइल ड्रिलिंग फेल होने के बाद अब डिजाइन में बदलाव किया गया है। नया ब्रिज अब मुरेना के बसैया गांव के पास तैयार किया जा रहा है और इसकी कुल लंबाई बढ़कर 1,600 मीटर हो गई है। हालांकि, नदी के ठीक ऊपर वाला मुख्य हिस्सा अब भी 600 मीटर का ही रहेगा, लेकिन नदी के दोनों छोर पर 500-500 मीटर के एलिवेटेड पहुंच मार्ग (एलिवेटेड अप्रोच रोड) तैयार किए जाएंगे। मुख्य हैंगिंग ब्रिज का बीच का स्लैब 300 मीटर और दोनों किनारों के स्लैब 150-150 मीटर के होंगे। चंबल अभयारण्य के पारिस्थितिकी तंत्र को ध्यान में रखते हुए इस निर्माण में विशेष सावधानी बरती जा रही है। नदी के भीतर कोई पिलर नहीं बनाया जाएगा, ताकि जलीय जीवों के प्राकृतिक आवास पर निर्माण कार्य का असर कम से कम पड़े।

देश भर में आज रहेगी दशहरा पर्व की धूम



वाराणसी (एजेंसी)। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा कल 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दशमी तिथि 20 अक्टूबर की सुबह 9.10 बजे शुरू होकर 21 अक्टूबर

की सुबह 10 बजे तक रहेगी। हिंदू धर्म में यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने रावण का

वध कर अधर्म पर धर्म की विजय स्थापित की थी। इस अवसर पर देशभर में रावण, मेघनाद और कुंभकरण के विशाल पुतलों का दहन किया जाता है। दिल्ली-एनसीआर में

धू-धूकर जलेंगे रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले

भी दशहरे के मौके पर कई जगहों पर भव्य आयोजन होते हैं, जहां रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। दशहरा के अवसर पर रावण दहन केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रामलीला, मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों का भी प्रमुख हिस्सा है।

पर्व को लेकर देशभर में तैयारियां तेज हो गई हैं। विभिन्न शहरों में रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतले तैयार किए जा रहे हैं, जिनका दशमी के दिन दहन किया जाएगा।

मणिपुर के जंगल में तीन लोगों की हत्या

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सोमवार को जंगल से लकड़ी लेने गए तीन लोगों की सदिग्ध अग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव

रखकर प्रदर्शन किया। यह घटना इम्फाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर हुई। अधिकारियों के मुताबिक, गोलीबारी में चार लोग घायल हुए हैं और तीन लोग अब भी लापता हैं।



घटना कांगपोकपी के खोंगबाल सुनुरोक उद्योग में हुई। यह इम्फाल ईस्ट के नोंगशुम गांव से कुछ मीटर की दूरी पर है। सोमवार सुबह करीब 7 बजे 16 लोग लकड़ी लेने पहाड़ियों पर गए थे। मृतकों की पहचान अरुबाम रोनिल (35) और लैरनलकपम इनाओबी (51) के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, वे लकड़ी लेने गए समूह में शामिल थे।

जल्द बढ़ेगी आपके टेस्ट की 'मिठास', चीनी होगी सस्ती!

● एथनॉल पॉलिसी में सरकार ने किया बड़ा बदलाव



नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी की कीमतों पर नियंत्रण एवं घरेलू बाजार में उपलब्धता बनाए रखने के लिए सरकार ने एथनॉल खरीद की नीति में बदलाव किया है। सरकारी तेल कंपनियों गन्ने के रस, चीनी के सिरप एवं बी-हेवी शीरे से बने एथनॉल की खरीद नहीं कर सकेंगी। सरकार का उद्देश्य गन्ने का ज्यादा हिस्सा चीनी उत्पादन के लिए उपलब्ध कराना है। पिछले वर्ष 29 लाख टन चीनी का इस्तेमाल एथनॉल बनाने में किया गया था। एक महीने में चीनी के भाव में बहुत तेज वृद्धि हुई है। तेल विपणन कंपनियों ने दो दिन पहले 1100 करोड़ लिटर एथनॉल खरीदने की निविदा जारी की है, जिसमें गन्ने के रस, चीनी के सिरप और बी-हेवी शीरे से बने एथनॉल खरीद के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं, जबकि मक्का, टूटा अनाज की खरीद का रास्ता खुला रखा गया है।

कच्चे तेल से निर्भरता हटाने के लिए एथनॉल नीति

पिछले कई वर्षों से पेट्रोल में एथनॉल मिलाने को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटे और विदेशी मुद्रा की बचत हो। ऐसे में चीनी उत्पादन के लिए गन्ना बचाने के साथ ही एथनॉल की आपूर्ति बनाए रखना भी जरूरी होगा। हालांकि अनाज आधारित एथनॉल की आपूर्ति बढ़ाना भी खतरों से खाली नहीं होगा। मक्का और चावल की मांग बढ़ने पर खाद्य सुरक्षा एवं पशुचारे की उपलब्धता पर दबाव पड़ सकता है। इसलिए अनाज का इस्तेमाल बढ़ेगा।

युद्ध में एआई प्रणालियों का बढ़ेगा इस्तेमाल

● नौसेना के उप प्रमुख ने बताया रोडमैप, समुद्री सुरक्षा पर जोर



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना हवा, समुद्र, पानी के भीतर संचालन से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्वांटम तकनीक तक सभी क्षेत्रों में विकास पर

जोर दे रही है। इसका उद्देश्य नौसेना को एक बहुआयामी नेटवर्क आधारित सैन्य बल के रूप में तैयार करना है। नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोचर ने सोमवार को यह जानकारी दी। नई

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कोचर ने कहा कि नौसेना केवल नई तकनीक अपनाने पर ही काम नहीं कर रही, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रही है कि तकनीक जरूरी है।

पश्चिम एशिया संकट पर भी रखी नजर

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और समुद्री हितों की सुरक्षा में नौसेना की भूमिका से जुड़े सवाल पर कोचर ने कहा कि मौजूदा संकटों के कारण नौसेना की सोच और तैनाती, दोनों स्तरों पर गतिविधियां बढ़ी हैं। उन्होंने नौसेना के ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, इस अभियान के तहत महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर हमलों के बीच कई जहाजों को सुरक्षित भारतीय तटों तक पहुंचाने में मदद मिली है।

राहुल के विदेश जाने की खबरों पर सियासी घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी की ओर से सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कथित विदेश यात्रा पर तंज कसा गया है। उनकी ओर से पूछा गया कि क्या राहुल गांधी अपने अराजकता फैलाने वाले साथियों से मिलने जा रहे हैं। उन्होंने साथ ही नवरात्र के त्योहारों के दौरान राहुल के भारत में मौजूद न होने पर भी सवाल उठाया। प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि राहुल गांधी छुट्टियों के लिए विदेश गए हैं। उन्होंने इस बात को लेकर राहुल गांधी की आलोचना की कि वे अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। प्रदीप भंडारी ने लिखा, राहुल गांधी फिर से बही कर रहे हैं, जिसमें वे सबसे माहिर हैं।

नेपाल भागने वाले थे टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के आरोपी

कोटा से पकड़े गए, एक बिहार और 2 हरियाणा के रहने वाले

लॉरेंस गौग के अनिल पंडित ने कॉन्ट्रैक्ट दिया, पुलिस ने दबोचा



मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एक टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग करने वाले हमलावर 15 घंटे में राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से पकड़े गए। टाइगर पर रविवार देर रात 7 बजे हमला किया गया था। आरोपी जयपुर, दिल्ली के रास्ते

नेपाल भागने की तैयारी में थे। मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने सुबह 10.30 बजे रेलवे स्टेशन से पकड़ा। कोटा की एसपी तेजस्विनी गौतम के मुताबिक, तीनों पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जा रहे थे।

युद्ध में एआई और स्वायत्त प्रणालियों की बढ़ेगी भूमिका

हाल के संघर्षों से तकनीक के इस्तेमाल के बारे में मिले सबक पर कोचर ने कहा कि इन घटनाओं ने नौसेना के सामने कुछ नई जरूरतों को स्पष्ट किया है। इनमें स्वायत्त प्रणालियों और युद्ध के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य की तैयारियों में मानवरहित विमान प्रणालियों का मुकाबला करने वाली तकनीक यानी काउंटर-यूएसएस और क्रांटम तकनीक भी शामिल हैं। कोचर ने कहा, अगर मैं भविष्य की ओर देखूँ, तो इसमें काउंटर-यूएसएस और क्रांटम तकनीक का इस्तेमाल भी शामिल है। यह ऐसा क्षेत्र है, जो निकट भविष्य में तेजी से विकसित होगा। हम इन सभी पहलुओं को लेकर पूरी तरह सजग हैं। नौसेना उप प्रमुख ने कहा कि केवल युद्ध या संघर्ष ही नौसेना के भविष्य की दिशा तय नहीं करते।

पराली पर पहरा, फिर भी धधक रहे खेत

● दावों के विपरीत पिछले साल का तोड़ा रिकार्ड ● 2025 में इसी अवधि में हुई थी 208 घटनाएं

पटियाला (एजेंसी)। पराली न जलाने के लिए किसानों को जागरूक करने से लेकर जुर्माना लगाने, एफआईआर दर्ज करने और खेतों की निगरानी के लिए हजारों अधिकारियों की तैनाती तक, पंजाब सरकार ने इस बार पूरा जोर लगा रखा है। खेतों में आग पर नजर रखने के लिए 125 ड्रोन तैनात करने की तैयारी है। पराली प्रबंधन के लिए मशीनों पर सब्सिडी दी जा रही है और गांव-गांव किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए समझाया जा रहा है। इसके बावजूद खेतों में आग लगने का सिलसिला थम नहीं रहा। सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की



खाई तरनतारन के कच्चा पक्का और भैणी मंसा सिंह जैसे गांवों में साफ दिखाई देती है, जहां दोपहर दो बजे भी खेतों में पराली खुलेआम जलाई जा रही है। धुएँ के गुबार आसपास के गांवों और मुख्य सड़कों तक फैल रहे हैं। इससे हवा की गुणवत्ता बिगड़ने के साथ सड़क

हादसों का खतरा भी बढ़ रहा है। आंकड़े भी सरकारी प्रयासों के पूरी तरह कारगर न होने की गवाही दे रहे हैं। पंजाब में 15 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पराली जलाने की 220 सक्रिय घटनाएं दर्ज की गईं। पिछले साल इसी अवधि में 208 घटनाएं सामने आई थीं।

पंजाब में पराली जलाने की 29 सक्रिय घटनाएं दर्ज

17 अक्टूबर को ही पंजाब में पराली जलाने की 29 सक्रिय घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि पिछले साल इसी तारीख को 20 और 2024 में 77 मामले दर्ज किए गए थे। एक दिन में पिछले साल के मुकाबले नौ अधिक घटनाएं दर्ज होना बताता है कि फटाई के इस दौर में आग की घटनाओं को रोकना आसान नहीं है। इस दिन तरनतारन में 23, अमृतसर में तीन और फिरोजपुर, लुधियाना व एसएस नगर में एक-एक सक्रिय घटना दर्ज की गई। अन्य जिलों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। 15 सितंबर से 17 अक्टूबर तक फिरोजपुर में 10, गुरदासपुर और मुक्तसर में पांच-पांच, जालंधर, कपूरथला, मोगा और संगरूर में तीन-तीन घटनाएं दर्ज हुईं। फाजिल्का में दो, जबकि होशियारपुर, लुधियाना, एसबीएस नगर, एसएस नगर और फरीदकोट में एक-एक घटना सामने आई। बटिंडा, बरनाला, फतेहगढ़ साहिब, मानसा, पटानकोट, पटियाला, अवधि में 208 घटनाएं सामने आई थीं।

जलते पुतले, बढ़ते रावण: दशहरे का बदलता अर्थ

(लेखक – डॉ. सत्यवान सौरभ)

पुतलों का दहन नहीं, मन और समाज में छिपी बुराइयों का संहार ही दशहरे का असली संदेश है।

हर साल दशहरे की शाम रावण के विशाल पुतले धू-धू कर जलते हैं। आतिशबाजी की चमक, पटाखों की गूँज और दर्शकों की तालियों के बीच बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाया जाता है। कुछ ही मिनटों में रावण का पुतला राख हो जाता है और लोग विजयादशमी की शुभकामनाएँ देते हुए अपने घर लौट जाते हैं। लेकिन एक सवाल हर साल हमारे सामने खड़ा रहता है—यदि रावण सचमुच मर रहा है, तो समाज में बुराइयों लगातार बढ़ क्यों रही हैं? आखिर हर साल जलने वाला रावण कौन है और हर साल नए रूप में खड़ा होने वाला रावण कौन?

दशहरा केवल एक धार्मिक पर्व या मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक चेतना का पर्व है। रावण दहन का वास्तविक उद्देश्य हमें यह याद दिलाना है कि अहंकार, अन्याय, छल, लोभ और अनैतिकता चाहे कितनी ही शक्तिशाली वयों न हों, अंततः उनका पतन निश्चित है। लेकिन विडंबना देखिए कि हमने इस संदेश को एक वार्षिक आयोजन तक सीमित कर दिया है। पुतले बड़े होते जा रहे हैं, आयोजन भव्य होते जा रहे हैं और आतिशबाजी पर खर्च बढ़ रहा है, लेकिन क्वां हमारे भीतर की बुराइयों उसी अनुपात में कम हो रही है?

रामायण का रावण विद्वान था, शक्तिशाली था और शिवभक्त भी था। उसके व्यक्तित्व में अनेक गुण थे, लेकिन अहंकार और पराई स्त्री के अपहरण जैसे गंभीर अधर्म ने उसकी समस्त उपलब्धियों को व्यर्थ कर दिया। उसका अंत इस बात का प्रतीक है कि ज्ञान, शक्ति और वैभव भी मनुष्य को महान नहीं बना सकते, यदि उसके आचरण में मर्यादा और नैतिकता का अभाव हो। रावण की पराजय हमें सिखाती है कि व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसकी विद्वता या प्रतिष्ठा से नहीं,

बल्कि उसके चरित्र और कर्मों से होती है।

आज का रावण किसी एक चेहरे या पात्र का नाम नहीं है। वह उस मानसिकता का प्रतीक है, जो दूसरों के अधिकारों का हनन करती है, कमजोरों का शोषण करती है और अपने स्वार्थ के लिए नैतिकता को ताक पर रख देती है। जब किसी बेटी की अस्मिता पर हमला होता है, जब दहेज के लिए किसी बहू को प्रताड़ित किया जाता है, जब रिश्तत लेकर न्याय और अधिकारों का सौदा होता है, जब नशा किसी परिवार को उजाड़ देता है और जब लालच में रिश्तों का खून होता है, तब समझ लेना चाहिए कि रावण किसी पुतले में नहीं, हमारी सामाजिक व्यवस्था और मानवीय सोच में जीवित है।

विडंबना यह भी है कि हम बुराई को पहचानने में जितनी तत्परता दूसरों के मामले में दिखाते हैं, उतना साहस अपने भीतर झाँकने में नहीं दिखाते। दूसरों का अहंकार हमें तुरंत दिखाई देता है, लेकिन अपना अहंकार स्वाभिमान लगने लगता है। दूसरों का छल हमें अपराध लगता है, लेकिन अपने स्वार्थ के लिए किया गया समझौता व्यावहारिकता कहलाता है। दूसरों की गलती पर हम कठोर निर्णय सुनाते हैं, जबकि अपनी गलतियों के लिए सौ बहाने खोज लेते हैं। यही दोहरा चरित्र भीतर के रावण को जीवित रखता है।

आज समाज में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, नशाखोरी और नैतिक मूल्यों के क्षरण जैसी समस्याएँ गंभीर चिंता का विषय हैं। इनके समाधान के लिए केवल धार्मिक आयोजन पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए परिवार, विद्यालय, प्रशासन और समाज—सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों को केवल अच्छे संस्कारों का उपदेश देना पर्याप्त नहीं; उन्हें अपने व्यवहार में ईमानदारी, संवेदनशीलता और समानता के उदाहरण भी दिखाई देने चाहिए। कानून का भय आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है कि मनुष्य के भीतर सही और गलत के बीच अंतर करने वाली नैतिक चेतना जीवित रहे।

दशहरे का एक बड़ा संकट यह है कि हमने प्रतीकों को महत्व देना शुरू कर दिया है, जबकि उनके पीछे छिपे मूल्यों को अपनाने में पीछे रह गए हैं। राम का नाम लेना आसान है, लेकिन राम के आदर्शों पर चलना कठिन। सत्य की प्रशंसा करना सरल है, लेकिन सत्य के पक्ष में खड़े होने के लिए साहस चाहिए। न्याय की बातें करना सहज है, लेकिन अपने हितों के विरुद्ध भी न्याय का समर्थन करना वास्तविक चरित्र की परीक्षा है। मर्यादा का उपदेश देना आसान है, लेकिन अपनी इच्छाओं और व्यवहार पर मर्यादा का अनुशासन लागू करना कठिन है।

राम केवल आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सत्य, न्याय, कर्तव्य और मर्यादा जैसे आदर्शों की प्रेरणा भी हैं। इन मूल्यों की सार्थकता तभी है, जब वे हमारे व्यवहार में दिखाई दें। यदि कोई व्यक्ति धार्मिक आयोजन में भाग लेकर लौटता है, लेकिन घर में अपने परिजनों के साथ दुर्व्यवहार करता है, कार्यस्थल पर बेईमानी करता है या समाज में कमजोर व्यक्ति का शोषण करता है, तो उसे अपने आचरण पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। धर्म का वास्तविक मूल्य बाहरी प्रदर्शन से नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार से निर्धारित होता है।

रावण दहन को सार्थक बनाने के लिए जरूरी है कि हम इस पर्व को आत्मसुधार के अवसर में बदलें। प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर झाँके और ईमानदारी से स्वीकार करे कि उसके व्यवहार में कौन-सी बुराई दूसरों को नुकसान पहुँचा रही है। कोई क्रोध पर नियंत्रण करना सीखे, कोई लालच से दूर रहने का संकल्प ले, कोई महिलाओं के प्रति सम्मानपूर्ण व्यवहार को अपनी आदत बनाए और कोई अन्याय के सामने मौन रहने के बजाय उचित आवाज उठाए। इसी तरह समाज भ्रष्टाचार, हिंसा, दहेज प्रथा और नशे जैसी समस्याओं के विरुद्ध सामूहिक प्रयास करे।

हमें यह भी समझना होगा कि बुराई का विरोध केवल भाषणों और नारों से नहीं होता। अपराध के



पीड़ितों का साथ देना, अन्याय के विरुद्ध गवाही देने का साहस जुटाना, भ्रष्ट आचरण को प्रोत्साहित न करना और अपने अधिकारों के साथ दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना भी रावण के विरुद्ध संघर्ष है। सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत किसी विशाल मंच से नहीं, बल्कि व्यक्ति के छोटे-छोटे नैतिक निर्णयों से होती है।

आज आवश्यकता इस बात की नहीं कि रावण के पुतले कितने ऊँचे बनाए जाएँ, बल्कि इस बात की है कि हमारा चरित्र कितना ऊँचा हो। आतिशबाजी की आवाज कितनी तेज हो, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि अन्याय के विरुद्ध हमारी आवाज कितनी बुलंद हो। पुतले की ऊँचाई कुछ घंटों में समाप्त हो जाती है, लेकिन चरित्र की ऊँचाई पीढ़ियों तक समाज को दिशा दे सकती है।

दशहरे पर रावण का पुतला जलाकर लौटते समय यदि हम अपने भीतर के अहंकार, लोभ, ईर्ष्या और अनैतिकता को ज्यों का त्यों लेकर घर लौटते हैं, तो हमें उत्सव की सफलता पर नहीं, अपनी विफलता पर विचार करना चाहिए। बुराई का अंत मैदान में खड़े पुतले के गिरने से नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर अन्याय

के प्रति असहमति और नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता जानने से होता है।

इस विजयादशमी पर संकल्प केवल इतना न हो कि रावण का पुतला जलाना है। संकल्प यह भी हो कि अपने भीतर की किसी एक बुराई को पहचानकर उसे समाप्त करना है, किसी अन्याय का विरोध करना है और अपने व्यवहार से किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। जिस दिन हम ऐसा करने लगेंगे, उस दिन दशहरा केवल एक परंपरा नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का अभियान बन जाएगा।

रावण हर साल जलता है, लेकिन बुराई तब तक जीवित रहती है, जब तक हम उसे अपने भीतर और अपने आसपास जगह देते हैं। असली विजयादशमी उसी दिन होगी, जब पुतलों के साथ-साथ हमारी बुराइयों भी जलेगी और हमारे आचरण में राम के आदर्श दिखाई देंगे।

(कवि, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार)
(यह लेखक के व्य किंगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

बच्चे और इंटरनेट

ऐसे दौर में जब आस्ट्रेलिया-फ्रांस व अन्य विकसित देशों में सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच सीमित करने के कानून बने हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच उनका मौलिक अधिकार है। इस पर प्रतिबंध लगाना अनुचित है। कोर्ट ने माता कि इंटरनेट तक पहुंच और इस्तेमाल करने का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 के साथ-साथ अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत निर्धारित ‘वाक् और अभिव्यक्ति की आजादी ’ में ही निहित है। दरअसल, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी चंद्रन की पीठ इंटरनेट के जरिये बच्चों के शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री का पता लगाने और उसे हटाने के उपायों पर विमर्श कर रही थी। इसी बीच कई देशों द्वारा एक निर्धारित उम्र तक के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच सीमित करने का मामला सामने आया। भारत में भी इस तरह के प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है। अदालत का मानना था कि हम बच्चों से जुड़ी ऐसी चिंताओं को स्वीकार करते हैं, लेकिन इंटरनेट पर प्रतिबंध इसका न्यायोचित विकल्प नहीं है। शीर्ष अदालत ने माना कि इस माध्यम से बच्चों को दूर रखकर हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते। अदालत का तर्क था कि बच्चों की आजादी और सुरक्षा एक दूसरे के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन्हें दोनों ही चीजें मिलनी चाहिए। अदालत का मानना था कि नई पीढ़ी के बच्चों के लिये इंटरनेट सीखने का माध्यम भी है। दूरदर्शन के इलाकों में जानकारी पाने का एकमात्र जरिया होता है। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का गंभीरता से संज्ञान लिया कि देश में नाबालिगों से जुड़ी अश्लील सामग्री रोकने में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लापरवाही दिखा रहे हैं। अदालत का मानना था कि सभी हितधारक यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को हानि पहुंचाने वाली कोई भी सामग्री प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से उपलब्ध न हो सके। यह सामग्री न अपलोड की जाए और न ही उसे प्रोत्साहन दिया जाए। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी नाराजगी जतायी कि मध्यस्थों व सोशल मीडिया मंचों ने वर्ष 2024 में जारी किए गए कोर्ट के निर्देशों का ईमानदारी से पालन नहीं किया। साथ ही पीठ का मानना था कि आज इंटरनेट शिक्षा, सूचना और सामाजिक भागीदारी का एक सशक्त माध्यम बना है। ऐसे में यदि प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो वे निष्प्रभावी होंगे, बल्कि नुकसान पहुंचाने वाले भी हो सकते हैं। इसका नुकसान यह हो सकता है कि बच्चे ऐसी ऑनलाइन जगहों को सर्च करना शुरू कर सकते हैं, जो नियम-कानून कम होने की वजह से ज्यादा घातक हो सकती हैं। यह भी स्पष्ट किया गया कि उसकी टिप्पणी का यह अर्थ नहीं निकाला जाए कि उम्र के आधार पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए। पीठ के मुताबिक-हमारी धारणा है कि ऑनलाइन सुरक्षा के लिये कुछ सुरक्षा उपाय होने जरूरी हैं। अभिभावकों के पास उपलब्ध सामग्री की निगरानी की भी व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अंतर्गत ऐसी व्यवस्था हो सकती है, जिसमें माता-पिता के मार्गदर्शन,सहमति और निगरानी में बच्चे सोशल मीडिया मंचों का उपयोग कर सकें।



भगवान राम सबके हैं रावण राक्षस था ना कि ब्राह्मण

(लेखक – संजय गोरवासी)

रावण जन्म से ब्राह्मण था और कर्म से राक्षस (असुर) था। प्रभु श्री राम और लंकापति रावण का युद्ध सत्य और असत्य का एक महाकाव्यीय युद्ध था, जिसका वर्णन वाल्मीकि रामायण में मिलता है। युद्ध से जुड़ी मुख्य बातें: कारण: रावण द्वारा माता सीता का अपहरण करना। सेना: श्री राम की ओर से वानर सेना और सुग्रीव ने युद्ध किया, जबकि रावण की तरफ से राक्षसों की सेना लड़ी। अवधि: वाल्मीकि रामायण के अनुसार राम और रावण का युद्ध मुख्य रूप से 84 दिनों तक चला था, जिसमें भगवान राम ने अंततः दसवें दिन रावण का वध किया। वध का रहस्य: रावण की नाभि में अमृत था। विभीषण के बताने पर भगवान राम ने नाभि पर ब्रह्मास्त्र / दिव्य बाण चलाकर रावण का अंत किया। विजजदशमी इसी जीत के उपलक्ष्य में विजय दशमी (दशहरा) का पर्व मनाया जाता है। रावण हिंदू महाकाव्य रामायण का मुख्य

प्रतिनायक और लंका का महापराक्रमी राक्षस राजा था। रावण का परिचय और वंश माता-पिता: वह ऋषि विश्रवा और राक्षसी कैकसी का पुत्र था। वंशावली: वह महर्षि पुलस्त्य (जो ब्रह्मा के मानस पुत्रों में से एक थे) का पौत्र (पोता) था। कुल: जन्म से ब्राह्मण होने के साथ-साथ माता की ओर से उसमें राक्षस (असुर) कुल के गुण भी थे। प्रमुख विशेषताएं और ज्ञान दर्शाने: उसे दस सिरों और बौस भुजाओं वाला माना गया है, जो उसके छह शास्त्रों और चार वेदों के असीम ज्ञान का प्रतीक हैं। विद्वान व संगीतज्ञ: वह चारों वेदों का ज्ञाता, महापंडित, आयुर्वेद का मर्मज्ञ और वीणा वादन में अत्यंत निपुण था। उसने प्रसिद्ध शिव तांडव स्तोत्र की रचना की थी। शिव भक्त: वह भगवान शिव का परम भक्त था। जीवन और पतन का कारण लंका का आधिपत्य: कठोर तपस्या से वरदान प्राप्त कर उसने सोने की लंका का साम्राज्य स्थापित किया। सीता अपहरण: उसने भगवान श्री राम की पत्नी माता सीता का अपहरण कर लिया और उन्हें

अशोक वाटिका में रखा। अंत: इसी कारण श्री राम ने वानर सेना की सहायता से लंका पर आक्रमण किया और युद्ध में रावण का वध किया। उसके पतन का मुख्य कारण उसका अत्यधिक अहंकार और अधर्म था, जन्म से कोई भी किसी जाति का हो कर्म प्रधान होता है ऐ गीता में भी लिखा है श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 2, श्लोक 47 का यह अत्यंत प्रसिद्ध श्लोक है: कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥ संस्कृत श्लोक और हिंदी अर्थ श्लोक: कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। भावार्थ: भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि मनुष्य को केवल अपना कर्तव्य (कर्म) करने का अधिकार है, उसके परिणामों या फलों पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं है। तुम कभी भी अपने कर्मों के फलों के कारण (प्रेरक) मत बनो और न ही कर्म न करने (आलस्य या अकर्मण्यता) में तुम्हारी आसक्ति हो। मुख्य संदेश और शिक्षा: कर्म पर ध्यान: इंसान के वश में केवल प्रयास और कर्म करना है।

परिणाम क्या होगा, यह परिस्थितियों और अन्य कई कारकों पर निर्भर करता है। फल की आसक्ति से मुक्ति: यदि व्यक्ति पहले ही फल की चिंता करने लगे, तो उसका मन काम में पूरी तरह से नहीं लगता और तनाव पैदा होता है। अकर्मण्यता का त्याग: फल न मिलने के डर से या निराशा में आकर कर्म छोड़ देना (अकर्मण्य होना) गलत है। कर्तव्य पथ पर उठे रहना ही कर्मयोग का मूल सिद्धांत है। यह संसार कर्म प्रधान है यहाँ निरन्तर कर्म करते रहना पड़ता है, बिना कर्म किये यहाँ कुछ भी नहीं प्राप्त किया जा सकता है। हर व्यक्ति को अपने अच्छे एवं बुरे कर्म का फल पाना ही होता है।

स्वयं भगवान राम को बाली वध की सजा द्वापर युग में जरा नाम के बहेलिए ने उनके पैर पर तीर मारकर किया था। उन्होंने कहा कि नारायण के पैर में तीर मारने के बाद बहेलिए ने अपनी गलती स्वीकार भी किया था। मगर नारायण रूपी भगवान कृष्ण ने बहेलिए से कहा था कि यह उनके पूर्व के कर्मों का फल है। एक बार द्रौपदी ने

अपने आंचल से एक महात्मा की लाज को बचाई थी। जिसका फल द्रौपदी को नेता युग में महाभारत के चीर हरण कांड के दौरान प्राप्त हुआ। उन्हें बचाने के लिए सीधे नारायण को आना पड़ा था। वही 10 हजार हाथी के बल वाला दुरासन अपनी मंशा में सफल नहीं हो पाया था। कर्म के ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं इतिहास में, जिनसे ये सिद्ध होता है कि कर्म ही श्रेष्ठ है ! जीवन बीतेगा यह, कर्मों के अनुकूल। तज मत अच्छे कर्म तू, होमी भारी भूल।। अच्छे अथवा बुरे कर्मों के द्वारा ही समाज में अपनी पहचान बनायी जा सकती है बिना कर्म किये इस संसार में किसी को कुछ भी नहीं प्राप्त होता है।

अतः दशहरा पर जाति पाती का भेदभाव मिटाना चाहिए क्योंकि भगवान राम तो ऐसे ईश्वर हैं लेकिन जब रावण का वध करने इस धरा पर जन्म लेते हैं तो क्षत्रिय होते हैं लेकिन उनके गुरुजी ब्राह्मण थे भगवान राम के मुख्य रूप से दो गुरु थे: ऋषि वशिष्ठ: वे अयोध्या के रघुवंश के कुलगुरु थे।

जीवन का अर्थ बताती है अर्थी

जीवन भर व्यक्ति इसी सोच में उलझा रहता है कि उसका परिवार है, बीबी बच्चे हैं। इनके लिए धन जुटाने और सुख-सुविधाओं के इंतजाम में हर वह काम करने के लिए तैयार रहता है जिससे अधिक से अधिक धन और वैभव अर्जित कर सके। अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए भी तैयार रहता है। जबकि हर व्यक्ति के शरीर में आत्मा रूप में बसा ईश्वर गलत तरीके से, दूसरों को अहित पहुंचाकर लाभ पाने के लिए मना करता है। लेकिन जब व्यक्ति आत्मा की बात नहीं सुनता है तो आत्मा मौन धारण कर लेती है। आत्मा को उस दिन का इंतजार रहता है जब व्यक्ति अर्थी पर पहुंचता है। इस समय व्यक्ति को जीवन का अर्थ और आत्मा की कही बातें याद आती है। लेकिन इस समय पश्चाताप के अलावा कुछ और नहीं बचता है। सब कुछ मिट्टी में मिल चुका होता है। आपने मृत व्यक्ति को बांस की फट्टियों पर लेकर जाते हुए कभी न कभी जरूर देखा होगा। बांस की फट्टियों पर जिस पर शव को लिटाया जाता है इसे अर्थी कहते हैं। अर्थी को उठाने के लिए चार कंधों की जरूरत पड़ती है। जब व्यक्ति की अर्थी उठायी जाती है उस समय आत्मा मृत व्यक्ति से कहती है देखो, तुम्हारी यही औकात है।

तुम्हें खुद संहारे की जरूरत है, तुम झूठा अहंकार करते रहे कि तुम लोगों को

आश्रय दे रहे हो। जिन लोगों के लिए तुम दिन रात धन-वैभव जुटाने में लगे रहे। आज वह संगी साथी परिवार तुम्हें विराने में ले जाकर अग्नि में समर्पित कर देगा। जीवन का मात्र यही अर्थ है। इसलिए अर्थी को जीवन का अर्थ बताने वाला कहा गया है। अर्थी ले जाते समय लोग जोर-जोर से नारे लगाते हैं राम नाम सत्य है, सब की यही गत्य है। नारे लगाने वाले लोग मृत व्यक्ति को और दुनियां को यह बताता है कि वास्तविक सत्य राम का नाम है। अंत में सभी की यही गति होनी है। इसलिए प्रभु का नाम भजते हुए ईमानदारी और सहृदयता के साथ जीवन जीना चाहिए।

जरूरतमंदों की सहायता से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। गीता के ग्यारहवें अध्याय का महात्म्य बताते हुए भगवान शिव ने कहा है कि जो व्यक्ति जरूरत के समय व्यक्ति से नजर फेर लेता है वह नीच योनियों में जन्म लेता है। जरूरत के समय दूसरों की सहायता करने वाला व्यक्ति कई पापों से मुक्त हो जाता है। इसलिए व्यक्ति को परमार्थी होना चाहिए। मनुष्य का जन्म ही इस उद्देश्य के लिए हुआ। जो व्यक्ति इस अर्थ को नहीं समझता उसे अर्थी पर जाकर ही जीवन का अर्थ ज्ञात होता है।

फ्रेंच ओपन 2026: पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन की वापसी पर नजरें, पहले दौर में कड़ी चुनौती

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों की नजरें खराब फॉर्म को पीछे छोड़कर दमदार वापसी करने पर होंगी। अनुभवी पीवी सिंधू और पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन सहित कई भारतीय खिलाड़ी मंगलवार से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेंगे। पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी आन से यंग से होगा, जबकि लक्ष्य सेन जापान के कोदाई नाराओका से भिड़ेंगे।

सिंधू के सामने आन से यंग की चुनौती - दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल के पहले दौर में दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त आन से यंग के खिलाफ उतरेगी। सिंधू पिछले सप्ताह डेनमार्क



ओपन में जर्मनी की यवोन ली से पहले दौर में हार गई थीं। ऐसे में फ्रेंच ओपन में वापसी के लिए उन्हें अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना



होगा। आन से यंग जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सिंधू के लिए शुरुआत से ही आक्रामक और संयमित खेल दिखाना जरूरी होगा।

चोट से उबरने के बाद लक्ष्य

हासिल करना चाहेंगे लक्ष्य सेन

पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन पहले दौर में जापान के कोदाई नाराओका से मुकाबला करेंगे। लक्ष्य पीठ की चोट से उबरने के बाद नाराओका को हराने और एशियाई खेलों की पुरुष टीम स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक दिलाने में सफल रहे थे। हालांकि, इसके बाद उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। फ्रेंच ओपन उनके लिए अपनी लय वापस हासिल करने और आगामी मुकाबलों से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने का अहम अवसर होगा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी की नजरें जीत के साथ वापसी पर

पुरुष युगल में भारत की प्रमुख जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी फ्रेंच ओपन में मजबूत प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। एशियाई खेलों में यह जोड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गई थी। फ्रेंच ओपन के शुरुआती मुकाबले में उनका सामना फ्रांस के भाइयों क्रिस्टो पोपेव और टोमा जुनियर पोपेव से होगा। घरेलू दर्शकों के सामने खेलने वाली फ्रांसीसी जोड़ी को चुनौती देने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तालमेल पर विशेष ध्यान देना होगा।

किदांबी श्रीकांत और आयुष शेट्टी के बीच भारतीय मुकाबला

पुरुष एकल में भारत के किदांबी श्रीकांत का सामना पहले दौर में हमवतन आयुष शेट्टी से होगा। इस मुकाबले में एक भारतीय खिलाड़ी का अगले दौर में पहुंचना तय है, जबकि दूसरे का सफर पहले दौर में समाप्त हो जाएगा। दोनों खिलाड़ियों के लिए यह मुकाबला अपनी क्षमता साबित करने और टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का मौका होगा।

संक्षिप्त

समाचार

साउथ कोरिया की आन सी-यंग ने डेनमार्क ओपन जीता
यह 47वां खिताब, सबसे ज्यादा बैडमिंटन टाइटल जीतने वाली महिला खिलाड़ी



कोरिया (एजेंसी)। साउथ कोरिया की आन से-योंग ने बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने रविवार को डेनमार्क ओपन के फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-23, 21-14, 21-18 से हराया। डेनमार्क के ओडेंस शहर में मिली इस जीत के साथ सी-योंग के इंटरनेशनल टाइटल की संख्या 47 हो गई। उन्होंने इंडोनेशिया की दिग्गज सुसी सुसांती (46 टाइटल) के 29 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने इसकी पुष्टि की। बीडब्ल्यूएफ के रिकॉर्ड 1989 से रखे जा रहे हैं और इनमें रीजनल टूर्नामेंट में जीते खिताब शामिल नहीं हैं। बीडब्ल्यूएफ ने 24 साल की एन सी-योंग को 'ऑल टाइम ग्रेट' बताया।

सी-योंग ने कहा- मैं और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूँ

जीत के बाद सी-योंग ने कहा, 'मैं बहुत इतिहास बनाना और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूँ, लेकिन एक समय में एक मैच पर ध्यान देती हूँ।' उन्होंने कहा, 'यही मेरी प्रेरणा है। दर्शक मेरे लिए आते हैं और मुझे खुशी है कि लोग मेरा हर मैच पसंद करते हैं।' दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी अन लगातार 105 हफ्तों से शीर्ष रैंकिंग पर हैं। उन्होंने 2025 में एक सीजन में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे। इस साल भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी है।

सिंघई मास्टर्स

एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने रवा इतिहास, शंघाई मास्टर्स का खिताब जीता



शंघाई (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस खिलाड़ी एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने शानदार वापसी करते हुए अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीत लिया। उन्होंने हमवतन राफेल जोदार को हराकर शंघाई मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। फोकिना एक सेट और एक ब्रेक से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और 1-6, 7-6 (5), 6-4 से जीत दर्ज कर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब हासिल किया।

एक सेट से पिछड़ने के बाद फोकिना की शानदार वापसी

27 वर्षीय फोकिना शंघाई के किजोंग फॉरेस्ट स्पोर्ट्स सिटी परेना में खेले गए फाइनल में शुरुआत में संघर्ष करते नजर आए। वह पहला सेट 1-6 से हार गए और दूसरे सेट में भी 2-3 से पिछड़ रहे थे। हालांकि, उन्होंने मुकाबले में वापसी करते हुए दूसरा सेट टाईब्रेक में 7-6 (5) से जीता। इसके बाद निर्णायक सेट में 6-4 से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमा लिया।

प्रज्ञान ओझा BCCI के चीफ सिलेक्टर बने

अजित अगरकर की जगह लेंगे; रमेश पोवार सीनियर सिलेक्शन कमेटी में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा को अजित अगरकर की जगह बीसीसीआई का चीफ सिलेक्टर बनाया गया है। वहीं, सिलेक्शन कमेटी में अजित अगरकर की जगह पर पूर्व भारतीय स्पिनर रमेश पोवार को शामिल किया गया है। अब पुरुष टीम की नई चयन समिति में प्रज्ञान ओझा (चेयरमैन), शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार हैं।

पोवार ने दो टेस्ट और 31 वनडे खेले - पोवार ने भारत के लिए दो टेस्ट और 31 वनडे खेले हैं। वह मुंबई के पूर्व भारतीय स्पिनर हैं। इसके अलावा, वह दो अलग-अलग कार्यकाल में भारतीय सीनियर विमेन टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। रमेश पोवार ने 10 नवंबर 2015 को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया था।

दो बार महिला टीम के कोच रहे - रमेश पोवार दो अलग-अलग कार्यकालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच रहे। उन्होंने पहली बार 2018 में यह जिम्मेदारी संभाली थी और बाद में मई 2021 में उन्हें फिर से इस पद पर नियुक्त किया गया था।



प्रज्ञान ने इंटरनेशनल करियर में 140+ विकेट लिए

प्रज्ञान ने 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी-20 इंटरनेशनल खेले। बाएं हाथ के स्पिनर ने टेस्ट में 113, वनडे में 21 और टी-20 इंटरनेशनल में 10 विकेट लिए। टेस्ट में उनका बेस्ट परफॉर्मेंस 6/47 रहा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में प्रज्ञान के नाम कुल 424 विकेट दर्ज हैं। इसके लिए उन्होंने 108 मैच खेले। 2018 में उन्होंने अपना अंतिम फर्स्ट वलास मैच बिहार के लिए उत्तराखंड के खिलाफ खेला। आईपीएल में वो डेक्कन चार्जर्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेले। हालांकि, 2015 से वो आईपीएल की किसी टीम का हिस्सा नहीं हैं।

मिताली राज के साथ हुआ था विवाद

पोवार का सबसे चर्चित विवाद 2018 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कप्तान मिताली राज के साथ हुआ था। मिताली ने उन पर भेदभाव करने, अपमानित करने और करियर को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। यह विवाद तब और गहरा गया जब मिताली को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से बाहर कर दिया गया, जिसके बाद पोवार को पद से हटा दिया गया था।

अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे की कमेटी ने किया चयन

बीसीसीआई के मुताबिक, क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी में अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे शामिल थे। कमेटी ने बीसीसीआई मुख्यालय में आवेदनकर्ताओं की स्क्रीनिंग और इंटरव्यू किए। इसके बाद रमेश पोवार के नाम पर मुहर लगी।

रवि शास्त्री बोले- बुमराह वर्ल्डकप तक तीनों फॉर्मेट न खेलें

टेस्ट को प्राथमिकता देने की सलाह दी, न्यूजीलैंड दौरे 22 अक्टूबर से शुरू होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बुमराह के ज्यादा इस्तेमाल से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जसप्रीत बुमराह को अगले साल के अंत में होने वाले एर दिवसीय वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट नहीं खेलना चाहिए।

शास्त्री ने रविवार देर रात स्टाफ स्पोर्ट्स में कहा कि बुमराह टेस्ट क्रिकेट खेलें। वनडे और टी20 में उन्हें कभी-कभार ही उतारा जाए, ताकि वह चोट से बच सकें। बुमराह न्यूजीलैंड दौरे से कॉम्पिटिटिव



क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वे सीरीज खेलेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट कीवियों के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की

न्यूजीलैंड दौरे पर गिल की कप्तानी की परीक्षा

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर सबसे ज्यादा ध्यान है। ऐसे में विदेशी दौरे पर टीम की कप्तानी को लेकर भी चर्चा हो रही है। शुभमन गिल ने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ सीरीज में अपनी कप्तानी साबित की थी। यह विदेशी कप्तान के तौर पर उनका पहला दौरा था। गिल ने उस सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे। टेस्ट सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में गिल सिर्फ डॉन ब्रेडमैन से पीछे हैं। ब्रेडमैन ने एक सीरीज में 810 रन बनाए थे। इसके बाद गिल ने अपने दूसरे विदेशी दौरे में श्रीलंका के खिलाफ 1-0 से सीरीज जीती।

मुझे नहीं लगता कि उसे एक दिवसीय वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट खेलने चाहिए। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए और वनडे-टी20 में कभी-कभार उतरना चाहिए। उसे पूरी सीरीज या हर मैच नहीं खेलना चाहिए। मैं उसे टेस्ट मैचों के लिए बचाकर रखना चाहूंगा। यह बहुत जरूरी है। वह भारतीय टीम का अहम सदस्य है।

इसके बाद बाकी फॉर्मेट में उसका इस्तेमाल सीमित तौर पर होना चाहिए। यह एक कड़ी परीक्षा है। न्यूजीलैंड की घरेलू परिस्थितियों में उसे हराना आसान नहीं है। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया को उस पर बहुत हासिल रही है।' उन्होंने आगे कहा, विदेशी दौरे पर एक युवा कप्तान के लिए यह अच्छा चैलेंज होगा।

बिना हाथ की तीरंदाज शीतल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बराबर किया

पैरा एशियन गेम्स में 704 अंक लिए, भारतीय महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में नंबर-1

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिना हाथ की तीरंदाज शीतल देवी ने नागोया में चल रहे पैरा एशियन गेम्स में सोमवार को वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकि तुर्की की ओज्जुर गिर्डी के नाम था। 19 साल की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में 720 में से 704 अंक हासिल किए। शीतल ने 72 तीरों में 57 बार परफेक्ट 10 लगाए। इनमें 32 शॉट लक्ष्य के सबसे अंदरूनी स्कोरिंग जोन में लगे। पेरिस पैरालिंपिक की कांस्य पदक विजेता शीतल ने पायल के साथ भारत को महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर पहुंचाया। भारत ने 1,379 अंक के साथ चीन को पीछे छोड़ा।

शीतल ने नया एशियन रिकॉर्ड बनाया - जम्मू-कश्मीर की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में लगभग हर शॉट पर सटीक निशाना लगाया। उनके 32 शॉट लक्ष्य के



सबसे अंदरूनी हिस्से में लगे, जिन्हें ड्र कहा जाता है।

पायल इस साल अप्रैल में चर्चा में आई थीं। उन्होंने बैंकॉक में वर्ल्ड

आर्चरी पैरा सीरीज में गोल्ड जीता था। उस मुकाबले में पायल ने शीतल को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। अब दोनों के प्रदर्शन ने भारत की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में पदक की उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

शीतल और पायल के कुल 1,379 अंकों से भारत महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहा। चीन 1,338 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत के मजबूत क्वालिफिकेशन प्रदर्शन से टीम को सीधे सेमीफाइनल में जगह मिली। भारतीय जोड़ी अब 5वीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड और चौथी वरीयता वाले कजाकिस्तान के बीच क्वार्टर फाइनल के विजेता से खेलेगी।

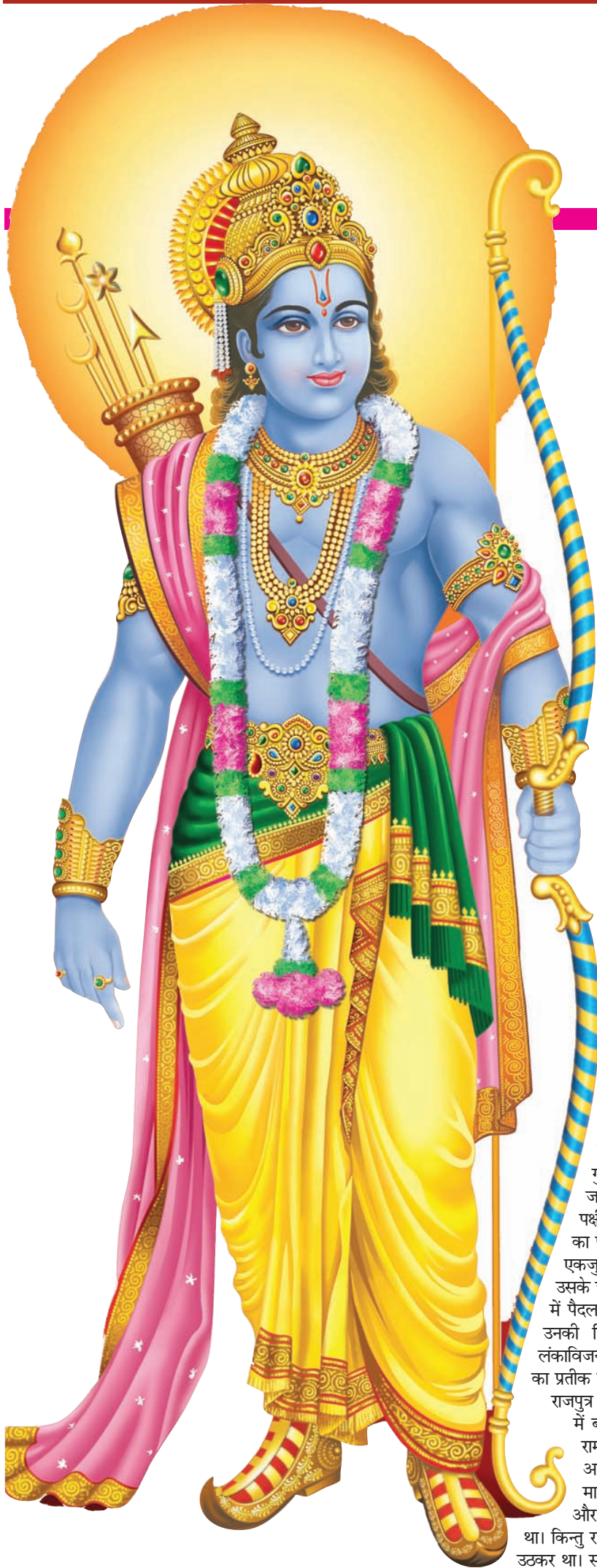
मंधाना की कप्तानी में भारत की लगातार दूसरी जीत

जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया; शेफाली की फिफ्टी, स्मृति ने नाबाद 47 रन बनाए

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने दूसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हरा दिया। रायपुर में पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 102 रन बनाए। जवाब में भारत ने 8.5 ओवर में 1 विकेट छोड़कर टारगेट हासिल कर लिया। जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। ओपनर शेफाली वर्मा ने 25 गेंद पर 55 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान स्मृति मंधाना 23 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रही।



शेफाली ने टी-20 में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाए - शेफाली वर्मा ने 2026 में विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में 922 रन बनाए हैं। वह एक कैलेंडर ईयर में इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने साउथ अफ्रीका की लौया वोल्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने इसी साल 824 रन बनाए।



मर्यादा पुरुषोत्तम

श्री श्रीराम

रघुकुल की महान परंपरा में अयोध्या नगरी में पिता दशरथ और माता कौशल्या के यहाँ श्रीराम अवतरित हुए। उस समय अयोध्या राज्य में सब ओर सुख शान्ति थी। लेकिन सुदूर दक्षिण भारत में लंकापति रावण आसुरी वृत्तियों को बढ़ाने में लगा था। वह अतिशक्तिमान राक्षसराज धीरे धीरे उत्तर में भी अपना कुप्रभाव फैलाने में सफल हो रहा था जिसके चलते भारतके दक्षिण में स्थित अनेक राज्य और उनके निवासी राजा रावण के राक्षसी प्रभाव का शिकार बनते नजर आ रहे थे। ऐसे में प्राचीन भारत की महान संस्कृति का प्रचार और प्रसार करने की जिम्मेदारी निभाने के लिये प्रभु को स्वयं श्रीराम के रूप में अवतरित होना पड़ा।

भारत को भौगोलिक राज्यों को एकसूत्र में बांधने का अधिकांश श्रेय भगवान राम को ही जाता है। अपने भाई लक्ष्मण और भार्या सीता के साथ 14 बरस उन्होंने लगभग संपूर्ण भारत का भ्रमण किया जगह जगह सात्विकता को बढ़ावा देते तामसिक वृत्तियों का संहार किया। एक ओर ऋषिमुनि जनों का आदर किया तो दूसरी ओर राक्षसों को दण्डित भी किया। ब्राह्मण क्षत्रिय और वैश्य समाज के साथ पिछड़े वर्ग के लोगों को साथ लेकर उन्होंने सामाजिक क्रांति की नींव रखी। ठोस उदाहरण देने हो तो आदिवासी सरदार गुह नौका खेनेवाला केवट भक्त शबरी वानर जाति के सुग्रीव और अंगद रीछ जाति के जाम्बुवंत पक्षी जाति के जटायु आदि सब जन के साथ श्रीराम का प्रेमपूर्ण सद्भाव और मैत्री का व्यवहार रहा। ये सब एकजुट होकर श्रीराम के कार्य में लगे रहे। सीताहरण और उसके चलते उसकी तलाश में जहाँ राम लक्ष्मण स्वयं वन में पैदल भटके वहीं इन सब पिछड़ी जाति के सदस्यों ने उनकी निष्काम भाव से सहायता की। रामसेतु और लंकाविजय को सामूहिक और साधिक एकजुटता की विजय का प्रतीक हम मान सकते हैं।

राजपुत्र होने के नाते श्रीराम का बचपन सुख और समृद्धि में बीता। इस बचपन की दो विशिष्टताएँ थीं। एक तो राम लक्ष्मण भरत और शत्रुघ्न इन चारों भाईयों का अनोखा बंधुप्रेम। मानो चार शरीर और एक आत्मा। माता कैकेयी के अपने बेटे भरत को राजसिंहासन देना और राम को वनवास सुनाना यह एक विचित्र संकट था। किंतु राम और भरत का प्रेम इन लौकिक स्वार्थ से ऊपर उठकर था। सो भरत ने अयोध्या नगरी के बाहर एक आश्रम में

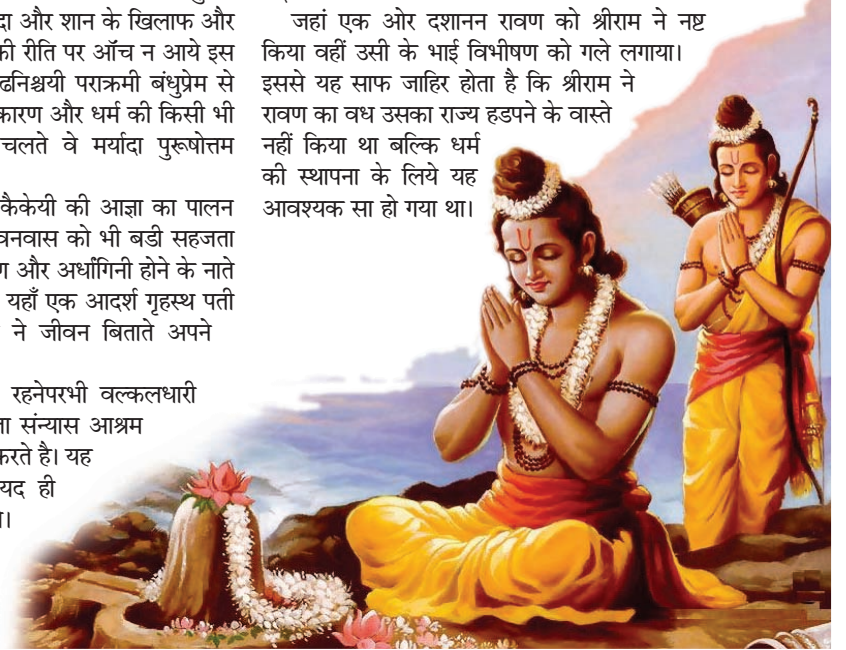
सन्यासी जैसे रहकर राम के स्थान पर 14 साल राजपाठ संभाला। किशोर अवस्था में अरण्यवासी ऋषिमुनीओं के यज्ञ में विघ्न खलेल डालने वाले राक्षसों का राम लक्ष्मण ने संहार किया और आर्यव्रत की यागयज्ञ रिति को अबाधित रखने में सहायता की। सीता स्वयंवर में पराक्रम और शालीनता का सुरीला संगम बनाते हुये एकपत्नीव्रत जैसी महान सामाजिक परंपरा की नींव रखी। केवल एक दिन में ही एक ओर राज्याभिषेक जैसी अतिआनंददायी तो दूसरी ओर अतिकठोर वनवास की आज्ञा ऐसे पूर्णतः विपरीत आदेशों का निःसंकोच और स्थितप्रज्ञभाव से पालन करना केवल अवतार पुरुष को ही संभव हो सकता है। कुल की मर्यादा और शान के खिलाफ और प्राण जाये पर वचन न जाई इस रघुकुल की रीति पर आँच न आये इस प्रयत्न में श्रीराम सफल हुए। सत्यवादी दुर्द्धनश्रयी पराक्रमी बंधुप्रेम से ओतप्रोत श्रीराम ने घरगृहस्थी समाज राजकारण और धर्म की किसी भी सीमा का उल्लंघन नहीं किया। इसके चलते वे मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाये।

पिता के वचन का आदर और माता कैकेयी की आज्ञा का पालन करने के लिये श्रीराम ने चौदह बरस के वनवास को भी बड़ी सहजता से स्वीकार किया। बंधुप्रेम से प्रेरित लक्ष्मण और अर्धांगिनी होने के नाते सीता को श्रीराम अपने साथ वन ले गये। यहाँ एक आदर्श गृहस्थ पत्नी भाई और गणनायक के रूप में श्रीराम ने जीवन बिताते अपने व्यक्तित्व में चार चाँद लगाये।

चौदह बरस धर्मपत्नी के सहवास में रहनेपरभी वल्कलधारी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और माता सीता संन्यास आश्रम का पालन करते हुए शरीर सुख का त्याग करते हैं। यह उदात्तता भारतीय संस्कृति को छोड़ शायद ही किसी अन्य संस्कृति में पाई जाती हो। ध्येयवादी राम अरण्य में भी ऋषिमुनीओं के आश्रम को भेंट देते और वेद उपनिषद के गहन तत्वों की चर्चा करते। इससे वेदों का अध्यात्मिक ज्ञान सारे

भारत में फैला और आर्यसंस्कृति का सदूर प्रसार एवम् प्रचार हुआ। सीता के अपहरण में अहंकारी रावण और भौतिकता के शिकार राक्षस गण को सबक सिखाने का हेतु निहित था। स्वार्थपरायणता में डूबा रावण इस बात को भूल गया था कि वेदाभ्यास शरीरसुख उपभोग के लिये नहीं बल्कि अपनी आंतरिक देवी प्रतिभाको उद्भूत करने के लिये होता है। अनेक रात्रियाँ होनेपर भी सीता का हरण कर के उससे जबरदस्ती शादी करने का मोह इस बात का प्रमाण था कि संसार के सारे सुख खुद ही उपभोगना यही उसके लिये एकमात्र जीवन का उद्देश्य था।

जहाँ एक ओर दशानन रावण को श्रीराम ने नष्ट किया वहीं उसी के भाई विभीषण को गले लगाया। इससे यह साफ जाहिर होता है कि श्रीराम ने रावण का वध उसका राज्य हड़पने के वास्ते नहीं किया था बल्कि धर्म की स्थापना के लिये यह आवश्यक सा हो गया था।



आज भी पूजे जाते हैं दशानन

असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देने वाले विजयादशमी पर्व पर जहाँ एक ओर लाखों की संख्या में लोग भगवान श्रीराम की पूजा करते हैं, वहीं देश में कुछ लोग रावण को अपना आराध्य मानकर शक्ति के रूप में उसकी पूजा करते हैं।

उत्तरप्रदेश के महानगरों में शुमार कानपुर शहर के शिवाला इलाके में एक मंदिर ऐसा है, जहाँ शक्ति के प्रतीक के रूप में लंकाधिराज रावण की पूजा अर्चना और आरती होती है तथा श्रद्धालु अपने लिए मन्त्रों मांगते हैं। इस मंदिर का नाम 'दशानन मंदिर' है और इसका निर्माण वर्ष 1890 में हुआ था। दशानन मंदिर के दरवाजे साल में केवल एक बार दशहरे के दिन ही सुबह नौ बजे खुलते हैं और मंदिर में लगी रावण की मूर्ति का पहले पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ श्रृंगार किया जाता है और उसके बाद रावण की आरती उतारी जाती है तथा शाम को दशहरे में रावण के पुतला दहन के बाद इस मंदिर के दरवाजे एक साल के लिए बंद कर दिए जाते हैं। यह मंदिर 24 अक्टूबर को सुबह खुलेगा और शाम को पूजा-पाठ के बाद बंद हो जाएगा।

रावण के इस मंदिर में होने वाले समस्त कार्यक्रमों के संयोजक केके तिवारी ने ने बताया कि शहर के शिवाला इलाके में कैलाश मंदिर परिसर में मौजूद विभिन्न मंदिरों में भगवान शिव



मंदिर के पास ही लंका के राजा रावण का मंदिर है। यह मंदिर करीब 122 साल पुराना है और इसका निर्माण महाराज गुरु प्रसाद शुक्ल ने कराया था। मंदिर के संयोजक तिवारी बताते हैं कि इस मंदिर को स्थापित करने के पीछे यह मान्यता थी कि रावण प्रकांड पंडित होने के साथ साथ भगवान शिव का परम भक्त था, इसलिए शक्ति के प्रहरी के रूप में यहां कैलाश मंदिर परिसर में रावण का मंदिर बनाया गया था।



रावण की मृत्यु से पहले हुई थी यह घटना

इस बात को तो सभी जानते हैं कि भगवान राम ने आश्विन शुक्ल दशमी तिथि को लंकाप्रति रावण को मार था। लेकिन रावण को मारना भगवान राम के भी वश की बात नहीं थी। रावण को मारने से पहले भगवान राम ने ऐसी चाल चली कि, जो देवी रावण की रक्षा कर रही थी वही रावण की मौत का कारण बन गयी। शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि मां दुर्गा का छठा स्वरूप है देवी कात्यायनी का। देवी ने ऋषि कात्यायन को उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर पुत्री रूप में प्राप्त होने का वरदान दिया था। इसी वरदान के फलस्वरूप देवी कात्यायनी का जन्म हुआ। पुत्री रूप में देवी ने तीन दिनों तक ऋषि कात्यायन की पूजा स्वीकार की इसके बाद देवी अष्टभुजा रूप में प्रकट हुई और इन्होंने महिषासुर का वध किया।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि जब भगवान विष्णु श्री कृष्ण रूप में प्रकट हुए तब ब्रज की कन्याओं ने कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए देवी कात्यायनी की पूजा की। इसलिए यह देवी ब्रज मण्डल की अधिष्ठात्री देवी कहलाती हैं। नवरात्र के छठे दिन इसी देवी की पूजा होती है। आज चैत्र नवरात्र का छठा दिन है। आज देवी के इसी स्वरूप की पूजा हो रही है।

देवी पुराण में उल्लेख मिलता है कि रावण भगवान शिव के साथ ही आदि शक्ति देवी कात्यायनी का भक्त था। रावण की भक्ति के कारण देवी अपनी योगनियों के साथ लंका में वास करती थीं जिससे रावण अजेय हो गया था।

देवी कात्यायनी की सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण देवाताओं को कष्ट पहुंचाने लगा। देवाताओं ने भगवान विष्णु से रावण से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु सोच में पड़ गये कि देवी कात्यायनी से सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण को मारना उनके लिए कठिन है। इस समस्या का हल निकालने के लिए भगवान विष्णु देवी कात्यायनी के पास गये। भगवान विष्णु ने कात्यायनी से कहा कि आपसे सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण निर्भय होकर अत्याचार कर रहा है। इसका अंत करना आवश्यक है इसलिए आप अपनी सुरक्षा हटा लीजिए। भगवान विष्णु की प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी ने कहा कि आप रामावतार लीजिए, इस अवतार में देवी लक्ष्मी सीता रूप में आपकी सहायता करेंगी। ?

देवी लक्ष्मी मेरा ही स्वरूप हैं। जब रावण सीता का हरण करेगा तो वह मेरा अपमान होगा जिससे मैं अपनी सुरक्षा हटा लूंगी और आप रावण का वध करने में सफल होंगे।

भगवान राम ने रावण से युद्ध करने के पहले देवी कात्यायनी की आराधना की और देवी से रावण को दी गयी सुरक्षा हटाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु को दिये गये वचन के अनुसार देवी लंका त्याग कर अपने लोक में चली गयी और भगवान राम रावण का वध करने में सफल हुए। मान्यता यह भी है कि भगवान राम ने जिस वाण से रावण का वध किया था वह वाण राम को देवी कात्यायनी द्वारा प्रदान किया गया था।

मणिपुर में 24 घंटे में चार लोगों की हत्या, मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं में 24 घंटे के भीतर चार लोगों की हत्या हुई है। पहाड़ी इलाके में लकड़ी लेने गए तीन लोगों की संदिग्ध उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि थोबल जिले में दो समुदायों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। लगातार हो रही हिंसक घटनाओं से नाराज लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ दिए। अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी की घटना इंग्फाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा के पास खोंगबाल सुनुरोक उयेक इलाके में हुई। यह स्थान इंग्फाल ईस्ट के नोंगथुम गांव से कुछ ही दूरी पर है। बताया गया कि सोमवार सुबह करीब घात नाच बजे 16 लोग लकड़ी लेने पहाड़ियों की ओर गए थे। तभी संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि तीन लोग अब भी लापता हैं। मृतकों की पहचान अरुबाम रोनिन (35), लैरेनलकपम इनाओबी (51) और क्षेत्रमायुम सुशील (32) के रूप में हुई है। घायलों में क्ष देवन की हालत गंभीर बताई गई है। घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता गर्भवती नाबालिग को दी गर्भपात की अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 31 सप्ताह की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा कि एक नाबालिग से बच्चे को जन्म देने और उसकी परवरिश की जिम्मेदारी उठाने की अपेक्षा करना कहीं से उचित नहीं होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने साफ़ किया कि योन हिंसा की शिकार नाबालिग की गर्भावस्था समाप्त करने का मामला केवल उसके व्यक्तिगत अधिकारों से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह उसके मानवाधिकार, गरिमा और सम्मानजनक जीवन से भी जुड़ा है। दिल्ली की अदालत ने कहा कि पीड़िता को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके भविष्य को प्रभावित कर सकता है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ़ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) कानून के तहत सामान्य परिस्थितियों में 20 सप्ताह तक और कुछ विशेष श्रेणियों, जिसमें दुष्कर्म पीड़िताएं शामिल हैं, में 24 सप्ताह तक गर्भपात की अनुमति का प्रावधान है। हालात, इस मामले में गर्भावस्था 31 सप्ताह की होने के बावजूद अदालत ने विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुमति दी। पीड़िता फिलहाल लेडी हाईड्रॉ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती है। हाईकोर्ट ने डॉक्टरों को निर्देश दिया कि गर्भावस्था समाप्त करने की प्रक्रिया के दौरान भ्रूण के ऊतकों को सुरक्षित रखा जाए, ताकि संबंधित आपराधिक मामले में जरूरत पड़ने पर डीएनए जांच हो सके। इससे मामले की जांच और न्यायिक प्रक्रिया में मदद मिल सकती है। अदालत ने निर्देश दिया कि यदि चिकित्साकीय प्रक्रिया के दौरान बच्चा जीवित पैदा होता है, तब अस्पताल प्रशासन उसकी हरसंभव चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करे। इस स्थिति में उपचार का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। कोर्ट ने अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट को आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था करने की जिम्मेदारी भी सौंपी।

रावण दहन पर विवाद गहराया : आयोजकों को मिला लीगल नोटिस

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन में रावण दहन की परंपरा को लेकर नया विवाद खड़ा हुआ है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने शहर में रावण दहन करने वाली चार आयोजक समितियों को कानूनी नोटिस भेजकर 7 दिन के भीतर शास्त्र-सम्मत प्रमाण मांगे हैं। समाज ने पूछा है कि किस धर्मशास्त्र या पुराण में आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को रावण वध का उल्लेख मिलता है। नोटिस में स्पष्टीकरण न देने की स्थिति में वैधानिक कार्रवाई और संबंधित खर्चों के वहन की चेतावनी दी गई है। इस बीच, ब्राह्मण समाज ने शहर भर में रावण दहन के विरोध में पोस्टर भी लगाए हैं, जिससे यह मुद्दा और गरमा गया है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज के महेश पुजारी ने परंपरा को ब्राह्मणों का अपमान बताया। उन्होंने तर्क दिया कि रावण ने ऐशा को सुझूय नहीं किया जिसके लिए रावण को प्रतिवर्ष जलाया जाए और आयोजकों से सवाल किया कि कराड़ों समतली बताए कि किस शास्त्र में रावण दहन का उल्लेख है। पुजारी ने रावण दहन की आड़ में वही वाले ब्राह्मणों के अपमान को रोकने की बात कही। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में अंग्रेजों और मुस्लिमों ने भी ब्राह्मणों का अपमान किया था। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने देश की सभी संस्थाओं से रावण दहन की इस प्रथा को बंद करने का आग्रह किया है।

राहुल गांधी भारत में नहीं हैं, नवरात्रि में वह विदेश में क्या कर रहे हैं? प्रदीप भंडारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उन खबरों का जिक्र किया, जिनके मुताबिक लोकसभा में विपक्ष के नेता छुट्टियों पर विदेश गए हैं। भंडारी ने नवरात्रि के दौरान उनकी अनुपस्थिति पर सवाल उठाए और उन पर काम करने के बजाय छुट्टियों में ज़्यादा समय बिताने का आरोप लगाया। भंडारी ने पोस्ट में लिखा- राहुल गांधी फिर से वही कर रहे हैं जिसमें वे माहिर हैं- ब्रेक लेना और छुट्टियों का आनंद लेना! उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी भारत में नहीं हैं और पूछा कि नवरात्रि के दौरान कांग्रेस नेता विदेश में क्या कर रहे हैं।

स्टारलिंग विवाद-कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा, सभी कंपनियों के लिए समान प्रक्रिया

राहुल गांधी ने किया था मस्क के बयान का समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने भारत के सैटेलाइट इंटरनेट बाजार में अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंग के प्रवेश को लेकर कहा है कि सभी इच्छुक कंपनियों को समान प्रक्रिया से गुजरने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के अनुसार, लाइसेंस देने की प्रक्रिया में सभी कंपनियों को समान दरी का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद किसी एक कंपनी को प्राथमिकता देने या किसी अन्य को पीछे रखने का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट की है। यदि सरकार के बयान को सही माना जाए, तब ना स्पेसएक्स के सीईओ मस्क को नुकसान पहुंच रहा है, और न ही रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेत्यसैन मुकेश अंबानी को कोई विशेष लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना चाहिए।



कांग्रेस नेता थरूर ने बताया कि भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं का भविष्य कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर निर्भर करेगा। इसमें तकनीक, सुरक्षा संबंधी चिंताएं, अपलिंकिंग की व्यवस्था और सेवा की लागत शामिल हैं।

उनके मुताबिक, अंततः उपभोक्ता ही तय करेगा कि उन्हें कौन-सी सेवा लेनी है और उसके लिए कितनी कीमत चुकाना उचित है। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि यदि कोई कंपनी दूसरी कंपनी की तुलना में दस गुना

अधिक कीमत पर सेवा उपलब्ध कराती है, तब ग्राहक को तय करना होगा कि अतिरिक्त कीमत के बदले मिलने वाली सुविधा उसके लिए कितनी उपयोगी है। कांग्रेस नेता थरूर ने स्पष्ट किया कि वह अपने मौजूदा इंटरनेट कनेक्शन से संतुष्ट हैं और व्यक्तिगत रूप से स्टारलिंग सेवा लेने की योजना नहीं बना रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यदि कुछ उपभोक्ता इस तकनीक का लाभ उठाना चाहते हैं, तब उन्हें यह अवसर मिलना चाहिए। इसके पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्टारलिंग को भारत में लाइसेंस मिलने में हो रही देरी का मुद्दा उठाया था। इसके बाद मस्क ने प्रतिक्रिया देकर स्थिति को चिंताजनक बताया था। स्टारलिंग भारत में सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा शुरू करने की कोशिश में है। इस बीच, थरूर के बयान ने बाजार में प्रतियक्षा, निष्पक्ष नियामकीय प्रक्रिया और उपभोक्ताओं की पसंद के महत्व को फिर से चर्चा में ला दिया है।

सपा के झांसे में न आयेँ मुसलमान: औवैसी

रामपुर, एजेंसी।

एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम मतदाताओं से समाजवादी पार्टी के झांसे में नहीं आने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि अब नेहरू, गांधी या यादव को अपना नेता नहीं बनाएंगे अपना मुस्कबिल मुसलमान खुद तय करेगा। उन्होंने शेर पढ़ते हुए कहा कि, “कुछ देर की खामोशी है, फिर शोर आएगा, तुम्हारा वक्त आया है अखिलेश बाबा हमारा दौर आया।”

एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने जिले के टांडा में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जी 2014, 2017, 2019, 2022 में मुसलमान ने किसे वोट दिया। इसके बाद परिणाम क्या रहा। उन्होंने कहा कि रामपुर जिले में मुस्लिमों की संख्या अधिक है तभी देश के पहले चुनाव में 1952 में नेहरू जी ने मौलाना अबुल कलाम आजाद को यहां भेजा और पहले सांसद बने। उन्होंने कहा कि रामपुर शहर में काम हुआ, लेकिन देहात में काम नहीं हुआ है। उन्होंने आजम खान पर हुई कार्रवाई को गलत बताया और उनको राहत मिलने की दुआ की। ओवैसी ने कहा कि अब मुस्लिमों

को एकजुट होना होगा, पीढ़ी दर पीढ़ी बीड़ी बनाना नहीं, स्कूल जाने पर जोर देना होगा। सपाईं ओवैसी की पार्टी को बी टीम बताते हैं, जबकि राज्यसभा में अपने चचा को भेजते हैं। गुजरात के नथानी कौन हैं, ये सभी जानते हैं। रामपुर के लोगों को अपना मुस्कबिल बनाना है तो मजलिस के साथ आना होगा। कहा कि रामपुर ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब देश को बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रामपुर और मुरादाबाद में मुस्लिमों और दलितों की संख्या बहुत है। यहां दवाई की गोली तो नहीं मिलती लेकिन बंदूक की गोली बड़ी आसानी से मिल जाती है। इसके लिए हम लड़ना होगा।

प्रधानमंत्री का नाम लेकर ओवैसी ने कहा कि देश में युवाओं के पास रोजगार नहीं है, तनख्वाह बढ़ नहीं रही है। ऐसे में हालात नेपाल श्रीलंका और फ्रांस जैसे ना हो जाएं, इसके लिए विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम बाबा नब्बा आप 80-20 की बात रखते हैं। उसके तहत ही अपनी बात मजबूती से रखेंगे। उन्होंने उग्र मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करते हुए कहा बन्ना आप 80-20 की बात करते हो, रामपुर में विकास का कोई काम ही नहीं हुआ है।

लखनऊ, एजेंसी।

बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद पर कई यू-टर्न के बाद अब बड़ा राजनीतिक दांव लगाया है। उन्हें बहुजन समाज पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बनते हुए उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड तक में जनसभाओं की विस्तृत सूची जारी की गई है। बसपा इन दिनों अपने वजूद और परंपरागत वोट बैंक को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। राष्ट्रीय पार्टी होने के बाद भी यूपी में विधानसभा से लेकर लोकसभा तक पार्टी का प्रतिनिधित्व लगभग खत्म हो चुका है। ऐसे में पिछले कुछ महीनों में संगठन को लेकर मायावती ने कई यू-टर्न भी लिए, जिसमें भतीजे आकाश आनंद को कई बार पार्टी से निकाला और दोबारा शामिल किया गया। अब आकाश आनंद को ही आगे करने के पीछे मायावती की मंशा पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है। पार्टी सूत्रों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मायावती की इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य जेन-जी यानी युवा पीढ़ी को



बसपा से जोड़ना है। जिस तरह आकाश आनंद को आगे किया गया है, उससे साफ है कि पार्टी अपने कोर वोट बैंक में युवाओं को छिटकने नहीं देना चाहती। संगठन का एक बड़ा तबका भी आकाश को पार्टी से बाहर रखने के पक्ष में नहीं था, और कई वरिष्ठ नेता समय-समय पर उन्हें मौका दिए जाने की पैरवी करते रहे थे। बसपा के परंपरागत वोट बैंक को युवा नेता चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी से बड़ा मानना महसूस हो रहा है। चंद्रशेखर खेमे में युवाओं की बढ़ती भागीदारी ने बसपा

संगठन के भीतर बेचैनी पैदा की है। मायावती की पकड़ जहां बहुजन समाज की पुरानी पीढ़ी में अब भी है, वहीं नौजवान कई मुद्दों को लेकर अलग-अलग खेमों में बंट सकते हैं। विधानसभा चुनाव की तैयारियों को पिछली बैठकों में बसपा संगठन ने इस खतरे की गहन समीक्षा की थी।

हाल ही में मायावती ने आकाश आनंद को परिष्कृत बताते हुए उनके काम की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के राजनीति

से संन्यास लेने के बाद आकाश आनंद बसपा के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में काफी सूझबूझ व परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने आकाश की जनसभाओं की तारीखें भी साझा कीं। आकाश 28 अक्टूबर को बुलंदशहर, 2 नवंबर को सहारनपुर, 20 नवंबर को अयोध्या, 22 नवंबर को अग्रा और 29 नवंबर को कानपुर में जनसभाएं संबोधित करेंगे। इसके अतिरिक्त, वह 26 नवंबर को पंजाब में संविधान दिवस समारोह और 6 दिसंबर को हरिद्वार (उत्तराखंड) में डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर आयोजित जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करेंगे। मायावती ने यह भी स्पष्ट किया कि आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ ही बीते दिनों हुए अग्रिय घटनाक्रमों के लिए जिम्मेदार थे और उनकी अब पार्टी में कभी वापसी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि उनके छोटे भतीजे ईशान आनंद लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं और दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में चुनाव व संगठन से जुड़े कार्यों में सहयोग करेंगे।

किरण बेदी की दूसरी इच्छा: विरोध-प्रदर्शनों में पुलिस के लिए बाँडीकैम और चरणबद्ध व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी।

पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी, जिनकी जंतर-मंतर से विरोध प्रदर्शनों को हटाने की मांग पूरी हो चुकी है, अब कानून-व्यवस्था से जुड़े प्रदर्शनों को संभालने के लिए पुलिस को नए उपाय सुझा रही हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों को बेबुनियाद आरोपों से बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की मांग की है। पूर्व आईपीएस अधिकारी बेदी का सुझाव है कि पुरुष पुलिसकर्मियों के साथ काम करने और उनका नेतृत्व करने के लिए बाँडी कैम से लैस महिला पुलिसकर्मियों को तैनात करे। साथ ही, सभी प्रदर्शनों की सीसीटीवी भी अन्य कैमरों के माध्यम से रिकॉर्डिंग होनी चाहिए। उन्होंने फेस रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर भी जोर दिया, जिससे अधिकारियों के पास समीक्षा के लिए ठेस सबूत मौजूद रहे और गलत आरोप रक सके। उन्होंने सरकार से उपकरणों की



खरीद, प्रशिक्षण और तैनाती के साथ-साथ फुटेज की सुरक्षित समीक्षा के लिए अभी से तैयारी शुरू करने का आग्रह किया। इसके पहले, पूर्व आईपीएस अधिकारी बेदी ने जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शनों के लिए अनुपयुक्त बताकर इस शहर के संवेदनशील स्थानों और व्यावसायिक क्षेत्र के करीब होने का हवाला दिया था। उनकी इस मांग पर गुन मंत्रालय ने अब रामलीला मैदान और अन्य स्थानों को इसके लिए चिह्नित किया है। पूर्व

आईपीएस अधिकारी बेदी ने कहा कि रामलीला मैदान जैसी नई जगहों के लिए एक स्पष्ट सुरक्षा और संचालन योजना होनी चाहिए, जिसे प्रदर्शन की अनुमति देते समय स्पष्ट रूप से बताया जाए। उन्होंने विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के मौजूदा ब्रिटिश सिस्टम की आलोचना कर चरणबद्ध रणनीति का प्रस्ताव रखा। इसके तहत, पहली पंक्ति में लाठीरहित सिविल डिफेंस के युवा पुरुष और महिला सदस्य होने चाहिए। यदि भीड़ बेकाबू होती है, तब दूसरी पंक्ति में हेडगियर और बाँडी आर्मर से लैस महिला पुलिसकर्मी होंगी, जिनके पास लाठियां नहीं होंगी। केवल अत्यधिक उग्र स्थिति में ही अंतिम उपाय के तौर पर सशस्त्र पुलिस बल का उपयोग किया जाना चाहिए, जो हालात का उपयोग किया जाना चाहिए, जो हालात का उपयोग किया जाना चाहिए। पूर्व आईपीएस अधिकारी का मानना है कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तैयारी ही सबसे अच्छा बचाव है।

केजरीवाल का केंद्र पर हमला, देश के सबसे बड़े गैंगस्टर को अपना ‘दामाद’ बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बॉलीवुड अभिनेता टाडगर श्राफ से जुड़ी गोलीबारी की घटना को लेकर केंद्र पर निशाना साधा है। उन्होंने देश में अपराध और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाकर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का जिक्र किया। पोस्ट में केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है। उन्होंने राजनीतिक कटाक्ष कर कहा कि केंद्र सरकार ने देश के सबसे बड़े गैंगस्टर को अपना 'दामाद' बना रखा है।



संभालने में नाकाम है और गैंगस्टर को भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी आपराधिक गतिविधियां चलाने की सुविधाएं मिलने का आरोप लगा दिया। उन्होंने पंजाब की राजनीति का जिक्र कर कहा कि राज्य के लोगों को मतदान करते समय कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर विचार करना चाहिए। हालांकि, गैंगस्टर को सरकारी संरक्षण मिलने संबंधी उनके आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार अपने राज्यों में कानून-व्यवस्था

गोलीबारी की घटना के बाद सामने आया है। पुलिस के अनुसार, अभिनेता जब अपनी गाड़ी से मैदान से बाहर निकल रहे थे, तभी भीड़ के बीच से उनकी कार पर तीन से चार राउंड गोलियां चलाई गईं। घटना में टाडगर श्राफ सुरक्षित बच गए, लेकिन दो लोग घायल हो गए। इनमें उनके ड्राइवर फिरदौस भी शामिल हैं, जिनके बाएं हाथ में गोली लगी। मुंबई पुलिस ने मामले की जांच के लिए 15 टीमों गठित की हैं। पुलिस गोलीबारी में शामिल लोगों की पहचान करने, हमले के पीछे की वजह का पता लगाने और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की जांच में जुटी है। फिलहाल, जांच के निष्कर्ष सामने आने का इंतजार है।

नई दिल्ली, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले, दिल्ली में कॉंक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए नई चुनौतियां खड़ी की हैं। यह आंदोलन अब केवल नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवाओं के असंतोष, लोकतांत्रिक अधिकारों और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे मुद्दों से भी जुड़ गया है। हालांकि, इसका आगामी चुनावों पर कितना असर पड़ेगा, यह देखना बाकी है। हाल ही में दिल्ली में हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर

और मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का निलंबन चर्चा में रहा। 10 और 16 अक्टूबर को बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों और सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके को हिरासत में लिया। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशासन भले ही सड़कों पर भीड़ नियंत्रित कर ले, लेकिन किसी आंदोलन से जुड़े राजनीतिक संदेश को रोकना आसान नहीं होता। कई बार ऐसी सख्ती आंदोलन को दबाने के बजाय उस गहन आंदोलन को और अधिक चर्चा दिला देती है, जिससे भाजपा के सामने व्यापक असंतोष बढ़ने का खतरा है। चुनावी पारदर्शिता से जुड़े सवालों के दिल्ली में हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर

विवाद जारी है। देशभर में करीब 13 करोड़ नाम प्रारूप सूचियों से हटाने का दावा किया, जिस पर आलोचकों ने कुछ समुदायों पर असमान प्रभाव पड़ने की आशंका जाहिर की है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा को बड़ा झटका लगा था, जब उसकी सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं। विपक्षी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने मिलकर 43 सीटें जीतीं, जो भाजपा के लिए एक स्पष्ट चेतावनी थी। इस झटके के बाद, भाजपा ने संगठनात्मक स्तर पर बूथ प्रबंधन मजबूत करने, जागितार समीकरणों को साधने और कल्याणकारी योजनाओं पर जोर दिया है। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने जैसी योजनाएं 2027 के

लिए भाजपा की रणनीति का अहम हिस्सा बन सकती हैं। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों ने उत्तर प्रदेश के लिए तीन संभावित परिदृश्य बताए हैं, भाजपा की वापसी, 2024 जैसा विपक्षी गठबंधन का मजबूत प्रदर्शन, या बढ़ती भाजपा विरोधी भावना से सत्ता परिवर्तन है। 2024 के लोकसभा नतीजों को विधानसभा सीटों के आधार पर इंडिया गठबंधन को भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए से ज़्यादा सीटों पर बढ़त मिली थी, लेकिन विधानसभा और लोकसभा चुनावों के मुद्दे भिन्न हो सकते हैं।

अंततः, उत्तर प्रदेश में भाजपा की चुनावी संभावनाएं केवल कॉंक्रोच आंदोलन से तय नहीं होंगी, बल्कि



जातीय समीकरण, बेरोजगारी, महंगाई और विपक्ष की एकजुटता जैसे कारक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हालांकि, कॉंक्रोच आंदोलन का युवाओं के असंतोष और लोकतांत्रिक

अधिकारों से जुड़े मुद्दों का विस्तार भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी का संकेत है, जिस पर उसे गंभीरता से विचार करना होगा।

बेल्जियम में आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल

ब्रसेल्स , एजेंसी। प्रदर्शनों की आंच बेल्जियम तक भी पहुंची। राजधानी ब्रसेल्स में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। पुलिस का आरोप था कि प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर वस्तुएं फेंकीं और आगजनी की। राजधानी के पूर्व में स्थित लीज शहर में भी पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, पुलिस ने वहां प्रदर्शनों में शामिल लोगों की संख्या का अनुमान नहीं बताया।

पुर्तगाल में महंगे मकानों और किराये के खिलाफ प्रदर्शन

लिस्बन , एजेंसी। पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में भी हजारों लोग बढ़ती जीवनव्ययन लागत, कम वेतन और बड़े शहरों में मकान खरीदने या किराये पर लेने में बढ़ती मुश्किलों के खिलाफ सड़कों पर उतरें। रिपोर्ट के मुताबिक, पुर्तगाल में मकानों की कीमतें 2017 के बाद से दोगुने से अधिक हो चुकी हैं, जबकि नए किरायेदारी समझौतों के तहत किराये में भी तेज बढ़ोतरी हुई है। पुर्तगाल के संसदीय मामलों के मंत्री कार्लोस अब्रू अमोरिम ने शुक्रवार को कहा कि सरकार सड़कों से उठने वाले नारों के दबाव में झुकने वाली नहीं है। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने राजनीतिक नेताओं पर उनकी समस्याओं से कट होने का आरोप लगाया।

अल्बानिया में छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्रालय का घेराव

तिराना , एजेंसी। यूरोप के कई अन्य देशों में बिगड़ी शिक्षा व्यवस्था को लेकर युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। अल्बानिया में पिछले लगातार चार दिनों से युवा सड़कों पर हैं। टयूशन फीस में वृद्धि, विश्वविद्यालयों में खराब सुविधाएं और पढ़ाई के बाद रोजगार के अवसरों में कमी से भड़के युवाओं ने शनिवार को शिक्षा मंत्रालय का घेराव किया। इस दौरान कई जगहों पर छात्र व सुरक्षा कर्मी भिड़ गए। प्लेमिंगो रिबोव्यूशन... अल्बानिया की राजधानी तिराना और अन्य शहरों में बड़े पैमाने पर यह आंदोलन 23 मई 2026 से चल रहा है। अक्टूबर मध्य में आंदोलन ने फिर से तेजी पकड़ी। शिक्षा व्यवस्था के अलावा ज्वर्नेक के संरक्षित तटीय क्षेत्र में लंगरी टूरिज्म प्रोजेक्ट्स और निर्माण के खिलाफ स्थानीय निवासी और सामाजिक कार्यकर्ता आंदोलनरत हैं। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार और महंगाई पर निशाना साधते हुए अल्बानियाई पीएम एदी रामा के इस्तीफे की मांग पर अड़े हैं।

पाकिस्तानी अधिकारियों का दावा: जवाबी कार्रवाई में मारे गए अफगान तालिबान के कई सदस्य

पेशावर , एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने शनिवार को खैबर पख्तूनख्वा में सीमा पर कथित तौर पर बिना उकसावे के की गई गोलीबारी के बाद जवाबी कार्रवाई की। इसमें अफगान तालिबान के कई जवान मारे गए। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि ताइदा सेक्टर, ऊपरी कूरुम और घुज गद्दी इलाकों में गोलीबारी की खबर मिली थी। आरोव है कि अफगान तालिबान ने आतंकवादियों को सीमा पर घुसपैठ करने में मदद देने के लिए गोलीबारी की। अधिकारी के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें घुज गद्दी के सीमा क्षेत्र के पास अफगान तालिबान के कई जवान मारे गए। अपर कूरुम सेक्टर में पाकिस्तानी बलों ने अफगान तालिबान की टॉपसर चौकी और शिपोला बेस कैंप को निशाना बनाया। अधिकारी ने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई में शिपोला बेस कैंप पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी बलों की कार्रवाई के बाद तालिबान के कई जवान कथित तौर पर अपनी सीमा चौकी छोड़कर भाग गए। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने इन्हें सुनिश्चित और सावधानीपूर्वक किए गए हमले बताया था। इन हमलों में प्रतिबंधित संगठन फितना अल-खवारिज से जुड़े कई आतंकवादी मारे गए थे। पाकिस्तान की संघीय सरकार प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के लिए 'फितना अल-खवारिज' शब्द का इस्तेमाल करती है। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में सीमा पार से होने वाले आतंकवादी हमलों में तेज बढ़ोतरी हुई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान में ऐसे हमले बढ़े हैं।

यूक्रेन की सैटेलाइट सेवा पर विवाद: रुबियो ने व्हाइट हाउस को बताया बेदाग, कहा- अमेरिका का कोई हाथ नहीं

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन आरोपों को खारिज किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने यूक्रेन के ड्रोन में इस्तेमाल होने वाली सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को जानबूझकर सीमित किया। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि यूक्रेन रूस के भीतर दूर तक हमले करने के लिए अमेरिका की एक अलग सैन्य संचार प्रणाली तक पहुंच मांग रहा है। ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान रुबियो ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को दो सेवाओं स्टारलैंक और स्टारशैलड के बीच अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि स्टारलैंक एक

पूरे फ्रांस में विरोध प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे आठ लाख लोग, 150 से अधिक पुलिसकर्मी घायल

पेरिस , एजेंसी। इंधन की बढ़ती लागत और लगातार बढ़ रही महंगाई के कारण पूरे फ्रांस में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसक झड़पें, आगजनी और लूटपाट की घटनाएं हुई हैं। आयोजकों का दावा है कि देश भर में हुए 110 मार्च में लगभग आठ लाख प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे थे। प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने कहा कि 150 से अधिक पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं और लगभग 1,200 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

फ्रांस के गृह मंत्री ने उपद्रवियों को 'बेहद हिंसक, कट्टर वामपंथी समूह' बताया। उन्होंने कहा कि ये लोग पुलिस से भिड़ना चाहते थे और इन्होंने सिटी हॉल तथा स्थानीय सरकारी कार्यालयों जैसी सार्वजनिक इमारतों को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि इन समूहों के साथ ऐसे अपराधी भी जुड़ गए थे जो दुकानों में लूटपाट करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से ज्यादातर वयस्क हैं। मध्य पेरिस में भी कई जगहों पर घटनाएं हुईं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, 'हमारे गणतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। जिन लोगों ने संपत्ति में तोड़फोड़ की, सरकारी कार्यालयों और व्यवसायों पर हमले किए, और यहां तक ​​​​?कि हमारे टाउन हॉल में लूटपाट भी की, उन पर मुकदमा चलाया जाएगा और उन्हें सजा दी



जाएगी। 'मैक्रों ने आगे कहा, 'जो लोग अराजकता फैलाते हैं और जो लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने से रोकते हैं, उनके खिलाफ हम एकजुट होकर खड़े होंगे। फ्रांस भर में प्रदर्शनकारियों ने सोशल मीडिया पर की गई उस अपील पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें 2018 में सामाजिक अन्याय के खिलाफ शुरू हुए 'येलो वेस्ट' (पीली जैकेट) आंदोलन को फिर से जीवित करने के लिए कहा गया था। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के प्रति भारी निराशा और गुस्सा जाहिर किया। हाल के महीनों में पेट्रोल, ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी उछाल आया है। ये आंदोलन उसके खिलाफ हैं। कई प्रदर्शनकारियों को चमकीले पीले रंग की जैकेट पहने देखा गया। यह 2018 के प्रदर्शनों का प्रतीक बन गई थी। एक प्रदर्शनकारी माबुक ने कहा, 'हर तरफ निराशा और गुस्से का माहौल है।' वे सभी उम्र के शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ मार्च कर रही

थीं। सितंबर के मध्य से स्कूलों को बंद करकर विरोध कर रहे छात्र समूहों ने अपने समर्थकों से उनके साथ जुड़ने की अपील की है।फ्रांस के प्रमुख मजदूर संघों में से एक, सीजीटी ने भी इन प्रदर्शनों का समर्थन किया है। उन्होंने बेहतर वेतन और पेंशन, कम कीमतें, और लोगों को जरूरतों को पूरा करने वाली सार्वजनिक सेवाओं के संरक्षण की मांग की है। पेरिस में, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछारें कीं। ऐसा उन लोगों को पीछे धकेलने के लिए किया गया, जिन्होंने हुड़ और मास्क पहन रखे थे और जो प्लेस डे ला रिपब्लिक (पेरिस शहर के केंद्र के उत्तर-पूर्व में) में पुलिस अधिकारियों पर पटाखे, पत्थर और अन्य चीजें फेंक रहे थे.कारों, साइकिलों और अन्य वाहनों से घना काला धुआं उठ रहा था, और कचरे के डिब्बे (ट्रैश बिन) जल रहे थे। पुलिस के अनुरोध पर कई मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए। इनमें शैम्प्स-

अमेरिका: कंसास में फुटबॉल मैच के दौरान मैदान में घुसी कार; बच्चे समेत दो की मौत, हिरासत में वाहन चालक

कंसास , एजेंसी। अमेरिका के कंसास राज्य के विचिटा शहर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फुटबॉल मैच के दौरान कार मैदान पर घुस गई। इस घटना में एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सीएनएन ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि घटना के बाद पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया। विचिटा पुलिस विभाग के आरोन मोसेस ने कहा कि चालक हिरासत में है और उससे आम लोगों को अब कोई अतिरिक्त खतरा नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना स्ट्राइकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई। स्थानीय समय के मुताबिक, दोपहर करीब 3:25 बजे कार परिसर में घुस गई। उस समय मैदान पर फुटबॉल मैच चल रहा था। मोसेस ने बताया कि घटना के वक्त कार में दो नाबालिग भी सवार थे। हादसे के बाद वाहन घटनास्थल पर ही मौजूद रहा। मृतकों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, मरने वालों में एक नाबालिग और एक वयस्क शामिल हैं। जांच एजेंसियां घटना के

कारणों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस घटनास्थल से मिले सबूतों का विश्लेषण कर रही है, ताकि हादसे की परिस्थितियों को समझा जा सके। सीएनएन के मुताबिक, जांचकर्ताओं ने अभी यह तय नहीं किया है कि कार कितनी तेज रफ्तार से चल रही थी और वह सुरक्षा घेरा पार कर मैदान तक कैसे पहुंची। हादसे के बाद खेल परिसर में होने वाले कार्यक्रम तत्काल रोक दिए गए। कंसास स्टेट हाई स्कूल एंकिटविटीज एसोसिएशन (केएसएसएसएए) ने बताया कि स्ट्राइकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे स्थान और चैंपियनशिप के मुकाबले स्थगित कर दिए गए। पुलिस ने घटनास्थल की जांच और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आसपास के मैदान को सुरक्षित किया था। एसोसिएशन ने हादसे से प्रभावित परिवारों और टीमां के प्रति संवेदना जताई। उसने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि आपात का स्थिति को देखते हुए दोनों मुकाबलों को बाद की तारीख तक स्थगित करना उचित समझा गया।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई का ट्रंप ने किया बचाव, कहा-परमाणु हथियारों का खतरा गंभीर था

वॉशिंगटन , एजेंसी। नॉर्दन केंटकी युनिवर्सिटी के 'ट्रस्ट एरिग' में आयोजित एक रिपब्लिकन चुनावी रैली में ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के अपने फैसले का बचाव किया। ट्रंप ने अपने दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल की सबसे बड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के जरिए ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता पूरी तरह नष्ट कर दी गई है और तेहरान को दोबारा यह क्षमता विकसित नहीं करने दी जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि परमाणु हथियारों से लैस ईरान का खतरा इतना गंभीर था कि अमेरिका के लिए हस्तक्षेप करना जरूरी हो गया था। ट्रंप ने समर्थकों से कहा, 'ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। ऐसा नहीं हो सकता, क्योंकि अगर उनके पास होगा तो वे



उसका इस्तेमाल करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु ढांचे को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि यह कार्यक्रम फिर से शुरू न हो सके। उन्होंने कहा, 'हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह दोबारा वापस न आए। ट्रंप ने बताया कि सैन्य अभियान के दौरान उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इसी दिशा में काम करने के निर्देश दिए थे। ट्रंप ने इस कार्रवाई को अपने उस बड़े दावे

रूस से तेल खरीद की छूट पर रुबियो बोले- वैश्विक अर्थव्यवस्था का आकलन करने के लिए 60 दिन चाहते हैं ट्रंप

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप के रूसी तेल को लेकर टैरिफ पर छूट देने के फैसले पर प्रतिक्रिया दी है। रुबियो ने कहा कि इस कदम के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर का विश्लेषण करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप ने 60 दिन की छूट दी है। रुबियो शनिवार शाम को यहां के पास जॉइंट बेस एंड्रयूज में सवालों का जवाब दे रहे थे, जब वे उज्बेकिस्तान और भारत के छह दिन के दौर पर खाना हुए थे। रुबियो ने रूस और ईरान पर प्रतिबंध अधिनियम या ग्राहम अधिनियम के तहत ट्रंप द्वारा दी गई छूट पर एक सवाल के जवाब में कहा, 'मुझे लगता है कि राष्ट्रपति यह विश्लेषण करने के लिए 60 दिन का समय लेना चाहते हैं कि प्रतिबंध और शुल्क लगाने का वैश्विक अर्थव्यवस्था और यहां तक ​​​​?कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा।' शुक्रवार को



ट्रंप ने ग्राहम एक्ट के उन खास नियमों को हटा दिया जो रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर सजा देने वाले टैरिफ लगाने की इजाजत देते थे, जिससे भारत को राहत मिली। शुक्रवार को ट्रंप के साइन किए गए एजीब्युटिव ऑर्डर में कहा गया है कि ये छूट तब तक लागू रहेगी जब तक राष्ट्रपति या विदेश मंत्री, वित्त मंत्री और ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव से सलाह करके, यह तय नहीं कर लेते कि आगे की कार्रवाई सही है। मियामी के पास मार-ए-लागो रिसॉर्ट में रिपोर्टरों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि ग्राहम एक्ट के तहत पाबंदियों को हटाने

के उनके फैसले से अमेरिका को फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'आप में से बहुत से लोग अभी नहीं जानते कि मेरा फैसला क्या है, लेकिन हम इसका पता लगा लेंगे, और आप भी इसका पता लगा लेंगे।' ट्रंप ने कहा, 'यह बहुत अच्छा फैसला है और यह देश के लिए अच्छा होगा और मुझे लगता है कि यह दुनिया के लिए भी अच्छा होगा क्योंकि हम सच में एक वर्ल्ड स्ट्रेज पर हैं।' रुबियो ने कहा कि जब ग्राहम एक्ट पास हुआ था तो दुनिया भर में हो रही अलग-अलग चीजों की स्टडी करने के लिए छूट दी गई थी, जैसे ईरान युद्ध के कारण रेलवेबल एनर्जी सप्लाई पर दबाव, सऊदी अरब में हूतियों का हमला और यूक्रेन-रूस युद्ध। रुबियो ने कहा, 'तो मुझे लगता है कि आपको इन सभी बातों को ध्यान में रखना होगा और एक-दूसरे के साथ तुलना करनी होगी।' विदेश मंत्री ने कहा, 'उदाहरण के लिए भारत जैसे देश हैं, जिन्होंने

अपनी मर्जी से अपनी ऊर्जा खरीद में विविधता लाई है, लेकिन फिर भी उन्हें रूस से काफी ऊर्जा मिल रही है क्योंकि एक दिन से दूसरे दिन बदलना मुश्किल है।' अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो सोमवार को भारत आने वाले हैं। रुबियो ने कहा कि भारत अमेरिका का एक जरूरी साथी और पार्टनर है, और राष्ट्रपति को इन सब पर स्टडी करने और यह पता लगाने के लिए समय चाहिए कि सही कॉम्बिनेशन क्या है। रूस पर सैन्यन हटाने के ट्रंप के फैसले की रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ने आलोचना की, जिन्होंने पिछले महीने लिंडसे ओ. ग्राहम सेंसशनल शिया एंड ईरान एक्ट को भारी बहुमत से पास करने के लिए एक साथ आए थे। साउथ कैरोलिना की रिपब्लिकन सीनेटर डॉर्लिन ग्राहम ने भी ट्रंप की आलोचना की कि उन्होंने रूस को उस सैन्यन कानून से छूट दी।

इटली में महंगाई के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन: मेलोनी बोलीं- विरोध करना अधिकार शहरों को आग के हवाले करना नहीं

रोम , एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने देश के कई बड़े शहरों में महंगाई के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र का अहम हिस्सा हैं, लेकिन राजनीतिक हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। मेलोनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान जारी कर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और हिंसा करने वालों के बीच अंतर किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। पीएम मेलोनी ने कहा, 'मैं उन हजारों लोगों का बहुत सम्मान करती हूँ, जिन्होंने आज शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया। इनमें ट्रेड यूनियन सीजीआईएल के आह्वान पर जुटे लोग भी शामिल थे। इस प्रदर्शन में वामपंथी नेता भी शामिल हुए। प्रदर्शन का मुद्दा चाहे कुछ भी हो, इसमें भागीदारी किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियाद है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कई शहरों में कानून लागू कराने वाले अधिकारियों को सीधे हमलों और तोड़फोड़ का सामना करना पड़ा। हालात को देखते हुए प्रशासन को आपात कदम उठाने पड़े। मेलोनी ने कहा, 'दूसरी ओर, हम इटली के अन्य शहरों में हुई घटनाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। मिलान में सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंके गए, अधिकारी घायल हुए और हिंसा तथा तोड़फोड़ के कारण जुलूस रोकना पड़ा। दूर्युरि में कुछ लोगों को पत्थर और खिड़कियां तोड़ने में इस्तेमाल होने



वाले थैथोड़ों के साथ रोका गया। बोलोल्या में हिंसा के कारण रेलवे स्टेशन को एहतियातन बंद करना पड़ा। उन्होंने हिंसा करने वालों को ऐसे उपद्रवी बताया, जो प्रदर्शनों का फायदा उठाकर अराजकता फैलाते हैं, सुरक्षा सुनिश्चित करने वालों पर हमला करते हैं और पूरे शहर को बंधक जैसी स्थिति में डाल देते हैं। मेलोनी ने कहा, 'प्रदर्शन करना अधिकार है। हमारे शहरों को आग के हवाले करना नहीं।' विश्वक्ष से हिंसा की स्पष्ट निंदा करने की अपील : इटली की प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों के नेताओं से सड़क पर होने वाली हिंसा के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर अस्पष्ट रवैया अपनाने से सार्वजनिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था प्रभावित होती है। मेलोनी ने कहा, 'मैं विपक्ष से फिर अपील करती हूँ कि इस मामले में अस्पष्ट रुख न अपनाएं। हिंसा की इन घटनाओं की स्पष्ट रूप से निंदा करें और यह संदेश दें कि हर प्रदर्शन शांतिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस: सूरत में मुंबई क्राइम ब्रांच का गुप्त ऑपरेशन

CCTV में संदिग्धों की हलचल कैद होने का दावा दौड़कर पकड़ी पुणे-जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन देर रात रेलवे स्टेशन पहुंची टीम

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना के बाद मामले में संदिग्धों की तलाश के दौरान जांच की कड़ी सूरत रेलवे स्टेशन तक पहुंचने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कथित संबंधों की जांच के बीच मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम देर रात सूरत रेलवे स्टेशन पहुंची थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई क्राइम ब्रांच ने शुरुआत में अपने ऑपरेशन को गोपनीय रखते हुए स्थानीय रेलवे सुरक्षा बल (ऋक्षत्र) के अधिकारियों और जवानों के साथ मामले की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। टीम ने स्टेशन पर लगे छद्मकर्मियों की फुटेज की जांच कर संदिग्धों की आवाजही से जुड़े सुराग जुटाने की कोशिश की।

मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने सूरत रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद छद्मकर्मियों की जांच की। खबर के अनुसार, फायरिंग मामले में संदिग्ध तीन व्यक्तियों की गतिविधियां स्टेशन के कैमरों में दिखाई देने की बात सामने आई है।

बताया जा रहा है कि फुटेज में तीनों व्यक्ति स्टेशन परिसर के बाहर से तेजी से दौड़ते हुए अंदर आते दिखाई दिए। हालांकि, फुटेज के आधार पर उनकी पहचान और फायरिंग की घटना में उनकी कथित भूमिका की स्वतंत्र पुष्टि आधिकारिक जानकारी से होना जरूरी है।

दौड़कर पुणे-जयपुर



एक्सप्रेस में चढ़ने की आशंका रिपोर्ट के मुताबिक, प्लेटफॉर्म नंबर-1 के छद्मकर्मियों की गतिविधियां दिखाई दीं। इनमें दो व्यक्तियों के दौड़कर ट्रेन पकड़ने की कोशिश करने और तीसरे व्यक्ति के भी उनके पीछे चलती ट्रेन में चढ़ने का दावा किया गया है।

बताया जा रहा है कि यह ट्रेन पुणे-जयपुर एक्सप्रेस थी। हालांकि, संदिग्धों ने जानबूझकर पुलिस से बचने के लिए ऐसा किया था या नहीं, इसकी पुष्टि जांच के निष्कर्षों के बिना नहीं की जा सकती।

मुंबई क्राइम ब्रांच के छद्मकर्मियों की जांच की खबर के अनुसार, संदिग्धों के सूरत रेलवे स्टेशन की ओर जाने की सूचना मिलने पर मुंबई क्राइम ब्रांच के छद्मकर्मियों की टीम

के साथ सूरत पहुंचे। इसके बाद उन्होंने सूरत क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर जांच आगे बढ़ाई। बताया गया है कि शुरुआती चरण में मुंबई पुलिस ने स्टेशन के छद्मकर्मियों की जांच स्वयं की। इसके बाद संदिग्धों की गतिविधियों से संबंधित सुराग मिलने पर स्थानीय पुलिस और ऋक्षत्र को सतर्क किया गया तथा आवश्यक कार्रवाई की गई।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मुंबई पुलिस के पास संदिग्धों की तस्वीरें थीं, लेकिन गोपनीयता और सुरक्षा संबंधी कारणों से शुरुआत में स्थानीय ऋक्षत्र कर्मियों के साथ तस्वीरें साझा नहीं की गईं। इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध होना आवश्यक है।

क्राइम ब्रांच के पहुंचने से पहले ट्रेन रतलाम पहुंच

चुकी थी रिपोर्ट के अनुसार, पुणे-जयपुर एक्सप्रेस रात करीब 1:35 बजे सूरत रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर आई थी। आशंका जताई गई कि संदिग्ध इसी ट्रेन में सवार हुए थे। बताया गया है कि जब मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम जांच के लिए सूरत स्टेशन पहुंची, तब तक ट्रेन सूरत से आगे निकलकर रतलाम पहुंच चुकी थी। स्थानीय रेलवे पुलिस को मामले की जानकारी सुबह करीब 11 बजे मिलने की बात भी कही गई है।

हालांकि, संदिग्ध वास्तव में सूरत से ही ट्रेन में सवार हुए थे या नहीं, इसकी स्पष्ट पुष्टि स्थानीय पुलिस के पास होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

रात करीब डेढ़ बजे की छद्मकर्मियों की जांच

रिपोर्ट के अनुसार, क्राइम

ब्रांच ने रात करीब डेढ़ बजे के आसपास पुणे-जयपुर एक्सप्रेस के जनरल कोच की ओर जाने वाले यात्रियों की छद्मकर्मियों की विशेष रूप से जांच की। इस जांच का उद्देश्य संदिग्धों की गतिविधियों और ट्रेन में सवार होने से संबंधित संभावित सुराग जुटाना बताया गया है। पूरे मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जांच एजेंसियों की ओर से जुटाए गए साक्ष्य और आधिकारिक बयान महत्वपूर्ण होंगे।

कोटा रेलवे स्टेशन से तीन संदिग्धों को हिरासत में लेने की खबर

इस मामले में आगे की कार्रवाई के संबंध में खबर है कि टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग करने के संदेह में तीन व्यक्तियों को राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। बताया गया है कि घटना के करीब 15 घंटे के भीतर उन्हें हिरासत में लिया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार देर रात हुई फायरिंग के बाद मुंबई पुलिस से मिली सूचना पर कोटा पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की। कोटा की पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम के हवाले से बताया गया कि तीनों व्यक्ति पुणे-जयपुर एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्रा कर रहे थे और उन्हें सुबह करीब 10:30 बजे हिरासत में लिया गया।

यह भी बताया गया कि शुरुआती तलाशी में उनके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ। हथियार नहीं मिलने और अन्य साक्ष्यों के संबंध में जांच की आधिकारिक जानकारी महत्वपूर्ण होगी।

सुटेक्स बैंक में कमलविजय तुलसियान के नाम पर ऑडिओरियम का उद्घाटन

बैंकिंग क्षेत्र में 50 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा के उपलक्ष्य में समर्पण, निष्ठा और संबंधों का सम्मान

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com



सूरत: दी सुटेक्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड से जुड़े श्री कमलविजय तुलसियान की बैंकिंग क्षेत्र में 50 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पूर्ण होने के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर उनके समर्पण, कार्यनिष्ठा, अनुभव और संस्थागत योगदान के सम्मान में 'श्री कमलविजय तुलसियान ऑडिओरियम' का उद्घाटन स्वयं श्री कमलविजय तुलसियान के करकर्मियों द्वारा किया गया।

श्री कमलविजय तुलसियान की पांच दशकों की यह कार्ययात्रा निरंतर परिश्रम, दृढ़ संकल्प, जिम्मेदारी और अपने कार्य के प्रति अटूट निष्ठा का प्रतीक है।

सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में 50 वर्षों तक योगदान देना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो उनके अनुभव, कार्यप्रति प्रतिबद्धता और संस्था के प्रति

समर्पण को दर्शाती है।

इस अवसर पर श्री निर्मलभाई (जेठभाई) वखारिया, श्री निमेषभाई बचकाणीवाला, श्री

गया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'श्री कमलविजय तुलसियान ऑडिओरियम' का उद्घाटन

अश्विनभाई देसाई, डॉ. दक्षेश ठाकर, श्री जीतुभाई वखारिया, श्री रवींद्रभाई धोराभाई, श्री शरदचंद्र कपाडिया तथा श्री प्रभातसिंह सोलंकी की ओर से श्री जयराजसिंह सोलंकी ने अपने संबोधन के माध्यम से श्री कमलविजय तुलसियान को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

वक्ताओं ने कमलभाई के साथ बिताए वर्षों के अनुभवों और पुरानी यादों को साझा करते हुए उनकी कार्यनिष्ठा, दूरदर्शी सोच, समर्पण तथा लोगों के साथ आत्मीय संबंध बनाए रखने की विशेषता की सराहना की।

उन्होंने कहा कि पांच दशकों की कार्ययात्रा केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि वर्षों के परिश्रम, अनुभव, विश्वास और जिम्मेदारी का परिणाम है। इस गौरवपूर्ण सफर में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमिलाबेन तुलसियान के सहयोग और साथ को भी महत्वपूर्ण बताया

रहा। यह ऑडिओरियम भविष्य में विभिन्न बैठकों, सभाओं, शैक्षणिक कार्यक्रमों, परिचर्चाओं और सामाजिक गतिविधियों के आयोजन में उपयोगी साबित होगा।

साथ ही, यह श्री कमलविजय तुलसियान के योगदान की स्मृति को जीवंत रखते हुए आने वाली पीढ़ियों को समर्पण, कार्यनिष्ठा और सामाजिक प्रतिबद्धता की प्रेरणा देगा। सुटेक्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की यह पहल सहकारिता, विश्वास और वर्षों पुराने संबंधों की गरिमा का सम्मान करने वाला यादगार अवसर बनी।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, बैंक के सदस्यों और शुभचिंतकों ने कमलभाई को हृदयपूर्वक बधाई दी तथा उनके स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन की कामना की।

दोस्त की पत्नी से छेड़छाड़ का आरोप, विरोध करने पर दंपती पर चाकू से हमला

सचिन GIDC में वारदात के बाद आरोपी अशोक सहानी गिरफ्तार

घायल महिला की शिकायत पर मामला दर्ज

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत के सचिन GIDC इलाके में एक विवाहित महिला से कथित छेड़छाड़ और विरोध करने पर उसके पति-पत्नी पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी अशोक शकलदेव सहानी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल रूप से बिहार के वैशाली

बना रही थी। इसी दौरान उसके पति के गांव का रहने वाला अशोक सहानी कमरे में आया। बताया गया है कि आरोपी पिछले करीब तीन महीने से दंपती के साथ रह रहा था। महिला के आरोप के मुताबिक, इसी दौरान अशोक ने उसके साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की। घटना की जानकारी मिलने पर महिला के पति ने आरोपी को कमरे से बाहर निकाल दिया। बताया गया है कि कमरे से

के आधार पर सचिन GIDC पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने छेड़छाड़ और हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू की है। घटना की परिस्थितियों और आरोपों की पुष्टि जांच के दौरान की जाएगी। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मिली सूचना के आधार पर आरोपी अशोक सहानी को कुछ ही घंटों में



जिले का निवासी बताया गया है और वर्तमान में सचिन GIDC इलाके में मजदूरी करता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला अपने कमरे में खाना

निकाले जाने के बाद आरोपी नाराज हो गया और कथित तौर पर महिला तथा उसके पति पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में दोनों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घायल महिला की शिकायत

गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई करते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है।

सूरत: खाटू श्याम दर्शन के लिए जा रहे पुलिसकर्मी से मारपीट का आरोप

गोडादरा में पत्नी-बच्चों के सामने हमले का दावा, सिर में चोट लगने की बात-पुलिस ने दर्ज किया मामला

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। शहर के गोडादरा इलाके में एक पुलिस कांस्टेबल के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। रांदेर पुलिस थाने की PCR वैन में ड्यूटी करने वाले कांस्टेबल आजाद सूर्यभान सिंह के अनुसार, वह अपने परिवार के साथ खाटू श्याम मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे, तभी हॉन बजाने और रास्ते से संबंधित विवाद के बाद उनके साथ मारपीट की गई।

कांस्टेबल का आरोप है कि इस घटना में 15 से 20 लोग शामिल थे और उनके साथ पत्नी तथा बच्चों के सामने मारपीट हुई। उन्होंने सिर में चोट लगने की बात कही है। मामले में गोडादरा पुलिस द्वारा देर रात शिकायत दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। घटना के सभी पहलुओं की पुष्टि पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों से होना बाकी है।

आजाद सिंह के बयान के मुताबिक, रात करीब 8 बजे

वह अपनी पत्नी, दो बच्चों और छोटे भाई के परिवार के साथ खाटू श्याम मंदिर जाने के लिए निकले थे। उन्होंने परिवार को ले जाने के लिए रिक्शा बुलाया था, जो सोसायटी के गेट के पास खड़ा था।

उनका कहना है कि परिवार के रिक्शा में बैठने के दौरान मानसरोवर के पास चाइनीज की दुकान चलाने वाला एक युवक बाइक से वहां पहुंचा और हॉन बजाने लगा। कांस्टेबल के अनुसार, उन्होंने हाथ से इशारा कर कुछ देर इंतजार करने का अनुरोध किया, लेकिन इसके बाद कथित तौर पर कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई।

कांस्टेबल के अनुसार, विवाद बढ़ने पर वह संबंधित युवक से बात करने पहुंचे। इसी दौरान नजदीक चल रहे नवरात्रि गरबा आयोजन के पास से कुछ लोग वहां पहुंचे। उनका आरोप है कि 15 से 20

लोगों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट की। आजाद सिंह ने बताया कि घटना के दौरान उनकी पत्नी और बच्चे मौके पर मौजूद थे। उन्होंने सिर में चोट लगने और खून बहने की बात भी कही है। हालांकि, घटना में शामिल लोगों की वास्तविक संख्या, मारपीट की परिस्थितियों और प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध जानकारी के आधार पर नहीं हुई है। संबंधित व्यक्तियों का पक्ष और पुलिस जांच में सामने आने वाले तथ्य भी मामले को समझने के लिए महत्वपूर्ण होंगे। किसी व्यक्ति की जिम्मेदारी का निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

कांस्टेबल ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के दौरान एक महिला को आगे लाया

गया और उनके खिलाफ कथित तौर पर गाली-गलौज या महिला से संबंधित आरोपों का वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई।

उनका दावा है कि इस तरह उन पर शिकायत नहीं करने का दबाव बनाया जा रहा था। हालांकि, वीडियो की वास्तविक सामग्री, घटना का पूरा क्रम और इन आरोपों की सत्यता की पुष्टि स्वतंत्र साक्ष्यों तथा जांच के बाद ही संभव होगी।

कांस्टेबल के अनुसार, घटना के दौरान सोसायटी के कुछ

जांच में इन बिंदुओं की पुष्टि जरूरी

- घटनास्थल और आसपास के CCTV फुटेज की उपलब्धता तथा जांच।
 - कथित मारपीट में शामिल लोगों की पहचान और प्रत्येक की भूमिका।
 - कांस्टेबल को आई चोटों से संबंधित मेडिकल रिपोर्ट।
 - कथित धमकियों और वीडियो बनाए जाने के दावों की जांच।
 - शिकायत दर्ज करने के समय और पुलिस कार्रवाई के क्रम का आधिकारिक रिकॉर्ड।

जीतू यादव और राहुल दुबे पर धमकी देने के आरोप

आजाद सिंह ने अपने बयान में जीतू यादव, शिवम दुबे, राहुल दुबे और मंडप से जुड़े कुछ युवकों के नाम लिए हैं। उनका आरोप है कि इन लोगों ने मारपीट में भूमिका निभाई। उन्होंने राहुल दुबे पर गोली मारने की धमकी देने और जीतू यादव पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का आरोप भी लगाया है।